छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351
डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 06 अंक - 148 बैकुंठपुर, शनिवार 14 मार्च 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

मैं जीवन की रक्षा का संकल्प लेकर सेवा का दीप जलाने आया हूँ - स्वास्थ्य मंत्री

संकल्प पर आधारित होंगी राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदेश का हर जन स्वस्थ रहे यही है सरकार का उद्देश्य

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा तथा अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विभागों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 6976 करोड़ 54 लाख रुपये से अधिक की अनुदान मांगें पारित हो गई है। अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए विभागीय मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं संकल्प पर आधारित होंगीं। इसमें सशक्त संस्थान, उत्कृष्ट अकादमिक गुणवत्ता, नवोन्मेषी अनुसंधान, कौशल एवं क्लीनिकल दक्षता, आधुनिक चिकित्सा सुविधा, जीवन रक्षक अधोसंरचना तथा पारदर्शी प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब प्रस्तुत करते हुए प्रदेश के सभी शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए कैशलेस इलाज की योजना शुरू करने की बात कही। इसके लिए बजट में 100 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि इस प्रदेश का हर जन स्वस्थ रहे। प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों तक भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें। उन्होंने बताया कि गंभीर बीमारियों के उपचार को सुलभ बनाने के लिए प्रदेश में 25 नए डायलिसिस केंद्र स्थापित किए जाएंगे। साथ ही आम नागरिकों को सस्ती दवाईयां उपलब्ध कराने के लिए 50 जन औषधि केंद्रों का विस्तार किया जाएगा। मंत्री श्री जायसवाल ने बताया कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रायपुर में प्रदेश का पहला होम्योपैथी कॉलेज स्थापित

किया जाएगा। इसके अलावा बिलासपुर में स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी, जिससे कैंसर मरीजों को अत्याधुनिक उपचार सुविधा प्रदेश में ही उपलब्ध हो सकेगी।मंत्री श्री जायसवाल ने बताया कि रायपुर में मध्य भारत का अत्याधुनिक कार्डियक इंस्टीट्यूट स्थापित करने की योजना है। यह संस्थान प्रदेश के नागरिकों को उच्च स्तरीय हृदय उपचार की सुविधा प्रदान करेगा। वहीं सत्य साई संजीवनी अस्पताल में अधोसंरचना विकास के लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे बाल हृदय उपचार सेवाओं को और अधिक मजबूत एवं व्यापक बनाया जा सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि अंबिकापुर और धमतरी में जिला अस्पतालों के नए भवन बनाए जाएंगे। इसके अलावा रायपुर के कालीबाड़ी क्षेत्र में 200 बिस्तरों वाला मातृ एवं शिशु चिकित्सालय तथा चिरमिरी में नया जिला अस्पताल बनाया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मानव संसाधन को मजबूत करने के उद्देश्य से दुर्ग, कोंडागांव, जशपुर और रायपुर में जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि रायपुर में मध्य भारत के सबसे आधुनिक इंटीग्रेटेड खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला के लिए 95 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस प्रयोगशाला के शुरू होने से राज्य को दिल्ली जैसे महानगरों पर निर्भरता खत्म हो जाएगी एवं छत्तीसगढ़ के साथ अन्य सीमावर्ती राज्यों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाएं मिल सकेंगी। चर्चा के दौरान श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य में शीघ्र ही एम्बुलेंस की कमी दूर होगी। राज्य के सभी जिलों के लिए 300 नए एम्बुलेंस के लिए टेण्डर प्रक्रियाधीन है। इसके अतिरिक्त वेंटीलेटर युक्त 70 अत्याधुनिक एम्बुलेंस तथा नवजात शिशुओं के लिए सर्वसुविधाजनक 10 अन्य एम्बुलेंस क्रय करने की प्रक्रिया भी शीघ्र ही पूर्ण कर ली जाएगी।

चिकित्सा शिक्षा विभाग

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026- 27 के लिए संचालनालय चिकित्सा शिक्षा हेतु 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रावधान किया गया है। नवीन पांच शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों (दंतेवाड़ा, मनेन्द्रगढ़, जशपुर, जांजगीर-चांपा और कबीरधाम) के लिए 1,240 पद तथा संबंधित चिकित्सालयों के लिए 500 पदों का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर के ट्रामा सेंटर भवन निर्माण के लिए भी बजट का प्रावधान किया गया है। चिकित्सा महाविद्यालयों और संबद्ध अस्पतालों में उपकरणों की खरीदी के लिए 50 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान रखा गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने चर्चा में कहा कि राज्य के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रावास निर्माण के लिए बजट में 83 करोड़ रूपए से अधिक का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, अम्बिकापुर तथा जगदलपुर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रावास का निर्माण किया जाएगा।

आयुष विभाग

मंत्री श्री जायसवाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए आयुष विभाग के तहत 544 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। औषधियों के लिए 25.73 करोड़ रुपये तथा उपकरणों के लिए 4.16 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जनभागीदारी के माध्यम से 7 आयुर्वेद चिकित्सालय, 13 आयुष पॉलीक्लिनिक और 692 आयुष औषधालयों के उन्नयन के लिए भी बजट रखा गया है। रायपुर स्थित शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में छात्रावास और सेमीनार हॉल का निर्माण किया जाएगा।

अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग

मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार समाज के पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस विभाग के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के लिए मांग संख्या 66 के तहत कुल 251 करोड़ 68 लाख 38 हजार रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। चर्चा का जवाब देते हुए श्री जायसवाल ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए मुख्यमंत्री शिक्षा सहयोग योजना शुरू करने की बात कही। इस योजना के अंतर्गत पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को नि:शुल्क शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाएं मिलेंगी। इसके साथ ही पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए बिलासपुर में 500 सीटर कन्या प्रयास आवासीय विद्यालय, रायपुर में 200 सीटर पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास, रायगढ़ में 100 सीटर पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास, मनेन्द्रगढ़ में 100 सीटर पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास एवं जशपुर में 50 सीटर प्री-मैट्रिक बालक एवं बालिका छात्रावास का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए बजट में 20 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। चर्चा के दौरान श्री जायसवाल ने जानकारी देते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के सपनों को उड़ान देने के लिए सीजी असिस्टेंस फॉर कम्पेटेटिव एक्जामिनेशन योजना के अंतर्गत उड़ान, शिखर तथा मंजिल योजना की शुरूआत की जाएगी। बजट में इसके लिए 9 करोड़ 63 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है।

कोटवार सम्मेलन का आयोजन, अवैध गतिविधियों की सूचना देने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में थाना दरिमा, चौकी रघुनाथपुर, केदमा, थाना उदयपुर में पुलिस टीम द्वारा कोटवार सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य पुलिस की ग्राम स्तर पर पकड़ मजबूत करने एवं सूचना तंत्र को विकसित करना है।

पुलिस एवं कोटवार के मध्य आपसी समन्वय बनाए रखने एवं अवैध गतिविधियों की सूचना थाना, चौकी में पहुंचाने सरगुजा पुलिस द्वारा प्रति माह कोटवार सम्मलेन का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना दरिमा, चौकी रघुनाथपुर एवं चौकी केदमा थाना उदयपुर पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम कोटवारों का थाना परिसर में सम्मलेन आयोजित किया गया। सम्मलेन के दौरान कोटवारों को ग्राम की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की समझाइस दी गई। कोटवारों को ग्राम स्तर पर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की सूचना थाना में प्रदान करने संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान थाना-चौकी प्रभारियों ने कोटवारों से प्रत्येक ग्राम स्तर की बारीकी से जानकारी प्राप्त की, साथ ही ग्राम स्तर पर आपराधिक गतिविधियों एवं अन्य गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों, गुंडा एवं निगरानी बदमाशों का गुजर-बसर गांव में होने की जानकारी ली। बैठक के दौरान कोटवारों को निरंतर संपर्क में बने रहने के साथ ही ग्राम स्तर पर किसी भी बड़े विवाद, झगड़े, दुर्घटना एवं जमीन विवाद की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल पुलिस टीम से जानकारी साझा करने की समझाइस दी गई। बैठक में ग्राम कोटवारों से साइबर अपराधों के बढ़ते खतरों पर भी चर्चा की गई। ऑनलाइन ठगी, फर्जी फोन कॉल्स और बैंकिंग धोखाधड़ी जैसी साइबर चुनौतियों के बारे में बताया गया। साथ ही इन्हें प्रेरित किया गया कि वे गांव के लोगों को इन खतरों से सतर्क करें और साइबर अपराध के प्रति जागरूकता फैलाएं। बैठक के दौरान थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक राजेश खलखो, थाना प्रभारी उदयपुर निरीक्षक शिशिरकान्त सिंह, चौकी प्रभारी रघुनाथपुर उप निरीक्षक आर.एन. पटेल सहित थाना, चौकी क्षेत्र के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्राम कोटवार उपस्थित रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 का मंडल प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत मंडल स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन आर.के. पैलेस, नागपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती चम्पा देवी पावले द्वारा भाजपा का ध्वज फहराकर किया गया। इसके पश्चात भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण वर्ग का विधिवत शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्रीमती चम्पा देवी पावले ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार और उनका एकात्म मानववाद का दर्शन भारतीय जनता पार्टी की मूल प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप

से मजबूत करने के साथ-साथ संगठन की कार्यपद्धति, नीति और सिद्धांतों से भी परिचित कराते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान और अनुभव को जन-जन तक पहुंचाएं और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर मंच पर वर्ग प्रभारी श्रीमती सरोज यादव, सह प्रभारी रामचरित द्विवेदी, जिला महामंत्री द्वारिका जायसवाल एवं आशीष मजूमदार, जिला उपाध्यक्ष संजय राय, वरिष्ठ भाजपा नेता ओम प्रकाश अग्रवाल, जिला प्रवक्ता जमुना पांडे, जिला पंचायत सदस्य उजित नारायण सिंह, आईटी सेल संयोजक अरविन्द अग्रवाल, सह मीडिया प्रभारी राम शंकर सिंह तथा श्याम बिहारी जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें संगठन की कार्यप्रणाली, भाजपा की विचारधारा, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं, सामाजिक समरसता और संगठन विस्तार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यकर्ताओं को जानकारी दी जा रही है। वक्ताओं द्वारा कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और समाज के प्रत्येक वर्ग तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मुनीम सिंह, धनेस यादव, जय सिंह, रामसजीवन साहू प्रदेश कार्यसमिति ओबीसी, जीतेन्द्र राय, बाल गोविन्द,श्रीमती कन्या कुमारी, दिनेश यादव, मंडल महामंत्री अमित राय एवं रजबल सिंह, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष नील कमल, गणेश रवि सहित मंडल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण वर्ग का संचालन धनेस यादव द्वारा किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली। दो दिवसीय इस मंडल प्रशिक्षण वर्ग का समापन शुक्रवार 13 मार्च को होगा, जिसमें विभिन्न विषयों पर अंतिम सत्र आयोजित किए जाएंगे तथा कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा।

कोटाडोल व जनकपुर ब्लॉक कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों का पूर्व विधायक ने किया सम्मान

कांग्रेस संगठन की मजबूती को लेकर हुआ मंथन

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जनकपुर एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटाडोल के नवनियुक्त पदाधिकारियों के सम्मान में जनकपुर में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक गुलाब कमरो एवं विशिष्ट अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी एमसीबी के उपाध्यक्ष रवि प्रताप सिंह के साथ वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में नव नियुक्त पदाधिकारियों को पुष्पमाला एवं गमछा पहनाकर सम्मानित किया और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने की बात कही। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सभी पदाधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ भी दीं। अपने संबोधन में पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से जनहित और सामाजिक न्याय की विचारधारा पर कार्य करती आई है। संगठन की मजबूती के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का सक्रिय रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नव नियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे तथा आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों, संगठनात्मक नीतियों तथा सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों से कहा गया कि वे पार्टी की विचारधारा के अनुरूप कार्य करते हुए संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का कार्य करें।

इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जनकपुर के अध्यक्ष अंकुर प्रताप सिंह, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटाडोल के अध्यक्ष रामू सिंह, जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस उपेंद्र द्विवेदी सहित कांग्रेस पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा गया और सभी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

प्राथमिक शाला मधला का बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य में भारी भरकम राशि का बंदरबांट सचिव अपना ट्रांसफर कराकर भागने की फुल तैयारी में

छ.ग.फ्रंटलाइन सोनहत। जनपद पंचायत सोनहत के ग्राम पंचायत मधला के प्राथमिक शाला बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य में संरपच सचिव एवं सम्बंधित सब इन्जिनियर की मिली भगत से पदंहवा वित राशि का बंदरबांट कर लिये है 91 फीट की लंम्बाई वाली बाउंड्री निर्माण कार्य में दो लाख उन्नीस हजार रूपए की पंचायत फंड से आहरण कर लिया गया है बाउन्डी निर्माण अभी भी अधुरा पड़ा हुआ है वैसे भी पंद्रहवां चौदहवां वित्त राशि को घर का समझते हैं इस विषय में जब सम्बंधित सचिव उजागिर गुप्ता से दुरभाष पर संपर्क किया गया तो बताये कि सब इन्जिनियर टी एस करते है इसके बाद ही हम राशि का आहरण करते है बाकि सब इन्जिनियर समझे वही मधला के ग्रामीणों का कहना है कि इतनी ही राशि हमको दे दी जाये तो हम इसी प्रकार की दोगुना निर्माण कर के दिखा देंगे और इससे मजबूत एवं ठोस ये जो निर्माण किये है ओ भी एकदम हल्का क्वालिटी के सीमेंट लगाया गया है जो कुछ दिनों में खराब हो कर गिर जाएगा ग्रामीणों का कहना है कि जीर्ण शीण मरम्मत के नाम

से न जाने कितना बिल निकाला गया है प्राथमिक शाला भवन मधला के शौचालय मरम्मत के नाम से पंद्रह हवां वित से ही साठ हजार रूपए संरपच सचिव बकायदा आहरण कर लिये है जबकि शौचालय में कोई भी मरम्मत कार्य नहीं कराया गया है मरम्मत के नाम से अनाप शनाप बिल लगाकर पंचायत एवं आमजनताऔ का शौषण किया गया है ग्रामीणों का कहना है कि सचिव से लेखा जोखा पुछने से साफ कह देता है कि अभी मेरे को टाईम नहीं है कहकर पल्ला झाड़ लेता है मधला के ग्रामीणों में जैसे लखन चौधरी संतोष सुनील कुमार राम साय संत कुमार ने कहा कि प्रशासन इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई किया जाये पंचायती राज विभाग में डिजिटल तकनीक प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और पारदर्शी ई टेंडरिंग का उपयोग अनिवार्य है साथ ही साथ सोसल आडिट ग्राम सभाओं को सशक्त बनाना सख्त निगरानी सेल सभी वित्तीय लेनदेन कार्य योजनाऐ निविदाओं और सरकारी खरीदी के लिए पारदर्शी आनलाईन ई टेंडरिंग अपनाना ग्राम सभाओं में होने वाले खर्चों का ब्यौरा सचिव के द्वारा देना लोक सेवकों की संपत्तियां की सालाना घोषणा एवं उनके कार्यो की जवाबदेही तय करना ये पंचायती राज संस्थाओं में पारदर्शिता बढ़ाने जवाबदेही तय करने में सहायक हो सकते हैं लेकिन यहां पर सचिव ऐसा कभी भी नहीं करते हैं जनताओ का कहना है कि पंचायत के कामों में पारदर्शिता लाई जाये।

बाल विवाह मुक्त बनने की राह पर एमसीबी जिला, 60 ग्राम पंचायतों की उल्लेखनीय उपलब्धि

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। जिले में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत बड़ी उपलब्धि सामने आई हैं। संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग रायपुर के पत्र क्रमांक 33/10568/मवादि/मि.वा./सारा/2025-26 दिनांक 09 सितम्बर 2025 के निर्देशानुसार ऐसे ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाना है, जहां विगत दो वर्षों में बाल विवाह का कोई भी प्रकरण दर्ज नहीं हुआ हो। इसी के तहत जिले के विभिन्न विकास खंडों से प्रस्ताव प्राप्त हुए और नियमानुसार जांच के बाद संबंधित दस्तावेज महिला एवं बाल विकास विभाग को प्राप्त हुए। इसके पश्चात 06 मार्च 2026 को दावा-आपत्ति के लिए पत्र जारी किया गया था, लेकिन निर्धारित तिथि तक महिला एवं बाल विकास विभाग जिला एमसीबी कार्यालय में कोई भी दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। हालांकि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के माध्यम से कुछ ग्राम पंचायतों में बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर ब्लॉक खड़गवां के ग्राम पंचायत आमालाड, मुकुन्दपुर और दुग्गी, ब्लॉक भरतपुर के ग्राम पंचायत सेमरिया तथा ब्लॉक मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत डंगौरा और चिमटीमार को सूची से विलोपित कर दिया गया है। कलेक्टर की अनुशंसा के आधार पर चयनित ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों को तीन चरणों में बाल विवाह मुक्त होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा तथा आगे की प्रक्रिया के तहत जिले के अन्य पंचायतों और नगरीय निकायों को भी प्रमाण पत्र प्रदान कराया जाएगा।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ की ग्राम पंचायत चौघड़ा, तेन्दूडांड, बंजी, बिहरापुर, भलौर, हस्तिनापुर, पिपरिया, चिरईपानी, चैनपुर, कठौतिया, छिपछिपी, सेमरा, बुन्देली, सिरौली, भौता, शंकरगढ़, बॉही, बिरौरीडांड, गरूणडोल, बुलाकीटोला, घाघरा, उजियारपुर, बौरीडांड, महाई, बेलबहरा, डुगला, रोझी, चनवारीडांड, मनवारी, डोडकी, केल्हारी, रोकड़ा, ताराबहरा, केराबहरा, परसगढ़ी, डिहुली और कछौड शामिल हैं। इसके साथ ही विकासखण्ड भरतपुर की ग्राम पंचायत बरहोरी, चांटी, ओहनिया, नेरूआ, बड़गांव कला, केसौड़ा, डोमहरा और कुदरा तथा विकासखण्ड खड़गवां की ग्राम पंचायत बोडेमुडा, छोटेकलुआ, पेण्ड्री, बरदर, गिद्धमुड़ी, अखराडांड, जड़हरी, मंगोरा और बेलकामार ग्राम पंचायत भी इस सूची में शामिल हैं। जिले में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान, महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों और आमजन की सक्रिय भागीदारी के कारण बाल विवाह रोकने की दिशा में यह महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है, जो समाज में जागरूकता और बेटियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री वर्चुअल रूप से करेंगे गौधाम योजना का शुभारंभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन द्वारा निराश्रित, घुमंतू पशुओं एवं गौवंशीय पशुओं का वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षण एवं संवर्धन करने के उद्देश्य से गौधाम योजना का शुभारंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा गौधाम योजना का शुभारंभ गौधाम लाखासार एवं गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रेक्षागार बिलासपुर में किया जाएगा।

इसी कड़ी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रथम सुरभी गोधाम श्यामा गौशाला समिति ग्राम देवीगंज का भी वर्चुअल रूप से शुभारंभ किया जाएगा। उपसंचालक पशु विभाग श्री शिशिर कांत पाण्डेय ने जानकारी दी है कि जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर के सभाकक्ष में दोपहर 2 बजे से जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज के मुख्य आतिथ्य एवं जिला स्तरीय गौधाम समिति अध्यक्ष श्री आशिष केशरी की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ना शासन की प्राथमिकता : सीईओ

★ विशेष जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

★ बैंक खातों के लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वीमेन लीड एंटरप्राइजेज के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर की अध्यक्षता में विशेष जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों तथा स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते खोलने की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने विभिन्न बैंकों में लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने लंबित प्रकरणों को निराकरण करने के निर्देश दिये। जिला पंचायत सीईओ ने सभी बैंकों को प्राथमिकता से हुए लंबित प्रकरणों का निराकरण करने को कहा। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि के भीतर वीमेन लीड एंटरप्राइजेज तथा स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाता खोलने की प्रक्रिया पूर्ण करे। उन्होंने बीपीएम को भी निर्देशित करते हुए कहा कि

संबंधित बैंकों के साथ समन्वय कर आवश्यक दस्तावेजी कमियों को तत्काल दूर करें, ताकि महिलाओं के समूहों और वीमेन लीड इंटरप्राइजेज के बैंक खाते शीघ्र खोले जा सकें।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तोमर ने कहा कि महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ना शासन की प्राथमिकता है। बैंक खाते खुलने से इन समूहों को वित्तीय लेन-देन, सरकारी योजनाओं का लाभ और स्वरोजगार से जुड़ी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सुविधा होगी। उन्होंने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कह कि निर्धारित समयावधि में प्रकरणों का निराकरण करें, ताकि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में चल रही पहल को गति मिल सके। बैठक में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री अंकित शर्मा एवं संबंधित विभागीय अधिकारी व बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अमेरा खदान से निकलने वाली गाड़ियों को ग्रामीणों ने 6 घंटे तक रोका

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की अमेरा खुली खदान परियोजना से निकलने वाले कोयला परिवहन पर शुक्रवार को उस समय अचानक ब्रेक लग गया, जब सिंगीटाना और पीपरखार के ग्रामीणों ने रोड सेल की कोयला लोड गाड़ियों को रास्ते में रोक दिया। ग्रामीणों के इस विरोध के चलते लगभग छह घंटे तक कोयला परिवहन पूरी तरह ठप रहा और सड़क पर ट्रकों की लंबी कतार लग गई थी। बताया जा रहा है कि सुबह से ही ग्रामीणों का समूह सड़क पर उतर आया और खदान से कोयला लोड कर निकलने वाली भारी वाहनों को आगे बढ़ने से रोक दिया। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई और सड़क पर दर्जनों कोयला वाहनों की लाइन लग गई। इससे न केवल खदान का काम प्रभावित हुआ बल्कि आसपास के मार्गों पर भी यातायात बाधित हो गया। घटना के बाद खदान प्रबंधन ने तत्काल लखनपुर थाना प्रभारी को पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप और कार्रवाई की मांग की। प्रबंधन ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि कुछ ग्रामीण अक्सर कोयला लोड वाहनों को रोककर कार्य में बाधा डालते हैं, जिससे कोयला परिवहन प्रभावित होता है और विवाद की स्थिति बन जाती है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक बातचीत के बाद ग्रामीणों ने अपना विरोध समाप्त किया और रास्ता खोल दिया, जिसके बाद कोयला परिवहन फिर से शुरू हो सका।खदान प्रबंधन के अनुसार अमेरा खदान से सिंगीटाना तक करीब 6.5 किलोमीटर लंबी कंक्रीट सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। इस सड़क पर लगभग 9 करोड़ रुपए की लागत खर्च की जा रही है। निर्माण कार्य का जिम्मा ठेका कंपनी भवानी इंफ्राटेक को दिया गया है। हालांकि बीच-बीच में होने वाले विवादों के कारण सड़क निर्माण का काम भी प्रभावित हो रहा है। दूसरी ओर ग्रामीणों का कहना है कि खदान से निकलने वाले भारी वाहनों के कारण सड़क पर लगातार धूल उड़ती है और दिनभर ट्रकों की आवाजाही से ग्रामीणों को भारी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने पेयजल व्यवस्था, सड़क पर नियमित पानी का छिड़काव और अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर पहले भी प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को सरपंच विफल लकड़ा और नवल लकड़ा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर कोयला लोड गाड़ियों को रोक दिया। इस दौरान काफी देर तक हंगामा होता रहा और सड़क पर ट्रकों की लंबी लाइन लग गई।खदान प्रबंधन का कहना है कि इस तरह की स्थिति समय-समय पर बनती रहती है, जिससे कोयला परिवहन और विकास कार्य दोनों प्रभावित होते हैं। प्रबंधन का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए प्रशासन और ग्रामीणों के साथ समन्वय जरूरी है।

गर्मी और लू से बचाव के लिए बरतें आवश्यक सावधानियां

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन के निर्देशानुसार लू से बचाव एवं प्रबंधन हेतु दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। जिसके अंतर्गत जिले में भीषण गर्मी पड़ने पर लू से बचाव हेतु जन सामान्य को उसके लक्षणों की पहचान एवं उपाय तथा प्रारंभिक उपचार हेतु जागरूक किया जाना है, ताकि उक्त परिस्थिति में ऐसे व्यक्तियों को बचाया जा सके।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने जिले के समस्त जनसमुदाय से अपील की है कि गर्मी से बचने का हरसंभव प्रयास करें एवं धूप में अनावश्यक बाहर नहीं निकलें, समय-समय पर भरपूर पानी पीते रहें तथा शरीर में पानी की कमी न होने दें। साथ ही लू के लक्षण होने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों से सम्पर्क करें।

सामान्यतः लू के मुख्य लक्षण सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीने का ना आना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख कम लगना, बेहोश होना लू लगने का प्रमुख कारण है। तेज धूप और गर्मी में ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और खनिज मुख्यतः नमक की कमी होता है।

लू से बचाव के उपाय

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने लू से बचाव के लिए जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया है कि अनिवार्य न हो तो घर से बाहर ना जाएं, धूप में निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांध ले पानी अधिक मात्रा में पीयें, अधिक समय तक धूप में न रहें, गर्मी के दौरान नरम, जलवायु सूती के कपड़े पहनने चाहिए ताकि हवा और कपड़े पसीने को सोखते रहे अधिक पसीना आने कि स्थिति में ओ.आर.एस. घोल पीयें। चक्कर आने, मितली आने पर छायादार स्थान पर आराम करें एवं शीतल पेयजल उपलब्ध हो तो फल का रस, लस्सी, मट्ठा आदि का सेवन करें। प्रारंभिक सलाह के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में निशुल्क परामर्श लें। लू लगने पर प्रारंभिक उपचार के तौर पर बुखार पीड़ित व्यक्ति के सर पर ठंडे पानी की पट्टी लगायें, अधिक पानी व पेय पदार्थ पिलायें, पीड़ित व्यक्ति को शीघ्र किसी नजदीकी स्वास्थ्य संस्था व अस्पताल में उपचार के लिए लेकर जायें।

स्व-सहायता समूह की असाक्षर महिलाओं को साक्षर बनाने की पहल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अंत्योदय योजना के अंतर्गत संचालित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों, विशेषकर महिलाओं को संगठित कर उन्हें कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार तक पहुँच उपलब्ध कराना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। इसी उद्देश्य के तहत स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अब उन्हें साक्षर बनाने की दिशा में विशेष पहल की जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएँ संगठित होकर पांच सूत्रों - नियमित साप्ताहिक बैठक, साप्ताहिक बचत, आंतरिक लेनदेन, ऋण वापसी तथा सही पुस्तक संधारण का कार्य करती हैं। लेकिन कई समूहों में अभी भी ऐसी महिलाएं हैं जो असाक्षर हैं। उन्हें साक्षर बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

जिला पंचायत सीईओ एवं जिला साक्षरता मिशन उपाध्यक्ष श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने समस्त जनपद पंचायत सीईओ एवं बीपीएम राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को ब्लॉक और सेक्टर स्तर पर आयोजित समीक्षा बैठकों में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को प्रमुखता से शामिल करने, ग्रामीण स्तर पर गठित स्व-सहायता समूहों की असाक्षर महिलाओं का शत-प्रतिशत सर्वे, सर्वे से संबंधित सभी प्रपत्र 13 मार्च 2026 तक विकासखण्ड परियोजना अधिकारी साक्षरता को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। साथ ही कक्षा संचालन को प्रभावी बनाने के लिए समूह की महिलाओं की सहमति से लिया जाए कि पढ़ाई कौन कराएगा, कक्षा कहाँ संचालित होगी और कक्षा का समय क्या होगा इसका निर्णय समूह की महिलाओं से मिलकर तय करने, स्व-सहायता समूह की जो महिलाएँ पढ़ी-लिखी हैं और लेखा संधारण का कार्य करती हैं, उन्हें महिलाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी देने, कक्षाओं का संचालन सतत् रूप से होता रहे इसके लिए जिला, विकासखण्ड, संकुल और ग्राम स्तर से नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था करने तथा प्रत्येक स्व-सहायता समूह की बैठक में पठन-पाठन और कक्षा संचालन की प्रगति पर अनिवार्य रूप से चर्चा करने तथा अपने जनपद पंचायत क्षेत्रों में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार करने हेतु नारा लेखन करने के निर्देश दिये हैं। जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता मिशन श्री हीरालाल पटवा ने बताया है कि प्रत्येक असाक्षर महिला के साथ समूह की एक साक्षर महिला को जोड़ना है, जो प्रतिदिन उसे उल्लास साक्षरता केन्द्र तक लाने में सहयोग करेंगी और 22 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली महापरीक्षा अभियान में शामिल कराएगी। महापरीक्षा में सफल होने वाले शिक्षार्थियों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

कलेक्टर ने मनरेगा एवं विकास कार्यों का किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा केएम पाठक, सुरजपुर जनपद सीईओ, कार्यक्रम अधिकारी तथा टेक्निकल टीम के साथ जनपद पंचायत सूरजपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों में संचालित विकास एवं मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान टीम ने ग्राम पंचायत करमपुर एवं गोविंदपुर में मनरेगा अंतर्गत संचालित कार्यों का अवलोकन किया। यहां मिट्टी बांध, अमृत सरोवर, गली प्लग, कंटूर ट्रेंच तथा नाला सफाई के कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के समन्वय से कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने पर भी जोर दिया। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत करमपुर में निर्मित अमृत सरोवर तथा मिट्टी बांध के जल का उपयोग कर किसानों द्वारा लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में की गई गेहूं की खेती का भी अवलोकन किया और जल संरचनाओं के बेहतर उपयोग की सराहना की। इसके अलावा ग्राम पंचायत हर्राटिकरा में संचालित खेलो इंडिया सेंटर का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने खेल प्रशिक्षक को खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्हें राज्य स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही ग्राम पंचायत कोरेया में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने इसे महिला एवं बाल विकास विभाग को हस्तांतरित कर शीघ्र आंगनबाड़ी संचालन शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम हर्राटिकरा में मनरेगा के विगत वर्षों में किए गए कार्यों का भी अवलोकन किया। यहां मनरेगा के प्रचार-प्रसार के लिए लगाए गए क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन कर योजना से संबंधित जानकारी की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। साथ ही विकसित भारत गारंटी फॉर आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना के प्रारंभ होने के पूर्व तैयारी की जानकारी लेते हुए विकसित भारत गारंटी फॉर आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम के प्रावधानों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। ग्रामीणों को अधिनियम अंतर्गत प्रदत्त 125 दिनों की रोजगार गारंटी, कार्य की मांग करने की प्रक्रिया, जॉब कार्ड की उपयोगिता, समय पर मजदूरी भुगतान, तथा पारदर्शिता एवं सामाजिक अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों से अवगत कराया गया। ज्ञात हो कि इस क्यूआर कोड को स्कैन कर कोई भी नागरिक मनरेगा के कार्यों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकता है। ग्रामीण अपने मोबाइल से इन क्यूआर कोड को स्कैन कर मनरेगा अंतर्गत हुए कार्यों की स्वीकृति, पूर्णता, मजदूरी भुगतान, कार्यों पर हुए कुल व्यय जैसे समस्त जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते है। यह व्यवस्था मनरेगा कार्यों को नागरिकों के लिए पूरी तरह पारदर्शी और सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

शासन-प्रशासन के प्रयासों से पीवीटीजी समुदाय को मिल रहा लाभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। शासन-प्रशासन के सतत प्रयासों से जरूरतमंद परिवारों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत जनपद पंचायत राजपुर के ग्राम पंचायत भिलाईखुर्द की निवासी विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की श्रीमती कमलेश्वरी को पक्के आवास का लाभ मिला है।

वे बताती हैं कि पहले वे अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में रहते थे। आर्थिक रूप से सक्षम न होने के कारण पक्के मकान का निर्माण करना संभव नहीं हो पा रहा था। सीमित संसाधनों के कारण यह सपना अधूरा ही लग रहा था। तब ग्राम पंचायत के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के बारे में जानकारी मिली। योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने आवेदन किया। आवेदन स्वीकृत होने के बाद उन्हें आवास निर्माण के लिए किस्तों में राशि प्राप्त हुई। प्राप्त राशि से उन्होंने धीरे-धीरे अपने पक्के मकान का निर्माण कार्य शुरू किया और समय पर राशि मिलने से उनका आवास पूर्ण हो गया। अब श्रीमती कमलेश्वरी अपने परिवार के साथ पक्के और सुरक्षित घर में रहती हैं। वे बताती हैं कि शासन की योजनाओं से उन्हें न केवल आवास का लाभ मिला, बल्कि अन्य योजनाओं से भी उन्हें सहयोग मिल रहा है। श्रीमती कमलेश्वरी को महतारी वंदन योजना के तहत प्रति माह 1000 रुपये की सहायता राशि मिल रही है। बीपीएल राशन कार्ड के माध्यम से उन्हें खाद्यान्न उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के हित में चलाई जा रही शासन की योजनाओं के लिए शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

गौरतलब है कि शासन-प्रशासन द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे जिले के जरूरतमंद परिवारों के जीवन स्तर में निरंतर सुधार हो रहा है।

रुनियाडीह में आठवीं के विद्यार्थियों को दी गई विदाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों को केंद्रीकृत वार्षिक परीक्षा के लिए विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सरपंच सुमित्रा सिंह रहीं, जबकि अध्यक्षता उपसरपंच प्रेमलता राजवाड़े ने की। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षा 17 मार्च से सुबह 9 से 12 बजे तक आयोजित होगी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को एडमिट कार्ड पालकों की उपस्थिति में वितरित कर उन्हें परीक्षा के लिए प्रेरित किया गया। सरपंच सुमित्रा सिंह व विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को पेन, पेंसिल सहित अन्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विद्यालय को सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए 15 बाई 30 फीट का ग्रीन मैट भी भेंट किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, एसएमसी सदस्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालक एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति में धरती को मां का दर्जा, प्रकृति संरक्षण हमारी परंपरा : सीएम साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ देश की अर्थव्यवस्था का पावर इंजन है और अब हमारा राज्य ग्रीन इकोनॉमी के क्षेत्र में भी अपनी भूमिका लगातार मजबूत कर रहा है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित दूसरे छत्तीसगढ़ हरित शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ हरित सम्मेलन की उपयोगिता इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि इसके माध्यम से पॉलिसी मेकिंग से जुड़े लोग, उद्योग जगत, शैक्षणिक संस्थान, शोधकर्ता और पर्यावरणविद एक मंच पर आकर महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु संकट लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में यह आवश्यक है कि हम पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर केवल चिंतन ही न करें, बल्कि उन्हें व्यवहार में भी उतारें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार हमेशा से विरासत के साथ विकास की पक्षधर रही है। पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली हमारी हजारों वर्षों पुरानी परंपरा रही है और उसकी रक्षा के लिए सरकार नीतिगत स्तर पर लगातार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में स्टील उत्पादन का एक बड़ा केंद्र है और इस क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए ग्रीन स्टील जैसे नवाचारों को अपनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023 के अनुसार

संयुक्त वन एवं वृक्ष आवरण वृद्धि के मामले में छत्तीसगढ़ ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार की नीतियों के साथ-साथ प्रदेशवासियों की जागरूकता और पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का परिणाम है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य में सोलर रूफटॉप योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को ऊजार्दाता बनाया जा रहा है और बायो-एथेनॉल जैसे क्षेत्रों में भी निवेश की व्यापक संभावनाएं उभर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान चलाकर लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की संस्कृति में धरती को मां का दर्जा दिया गया है, इसलिए संसाधनों का उपयोग करते समय पर्यावरण और धरती के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू की है, जिससे समय और संसाधनों की बचत होने के साथ-साथ कागज के उपयोग में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जनजातीय बहुल राज्य है और लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित है। साय ने बताया कि वनांचल में वृक्षों को सरना (देवता) के रूप में पूजा जाता है और सरना को राजस्व रिकॉर्ड में भी देवस्थल के रूप में दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रकृति से जुड़ाव और उसके संरक्षण का भाव जनजातीय समाज से सहज ही सीखा जा सकता है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि राज्य की नई औद्योगिक नीति में हरित पहल पर विशेष जोर दिया गया है और इस दिशा में कार्य करने वाले उद्योगों को विशेष रियायतें भी दी जा रही हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट के मंच से प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने तथा इसकी शुरूआत स्वयं से करने का आान किया। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर सम्मेलन में प्रस्तुत शोधों के संकलन पर आधारित पुस्तक एब्स्ट्रेक्ट, सम्मेलन की प्रमुख चचाओं पर आधारित हाइलाइट्स ऑफ द समिट तथा जनजातीय कहानियों और परम्पराओं पर आधारित पुस्तक कथा कंथली का विमोचन किया। इस अवसर पर मेघालय के लोकायुक्त सी पी मारक, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल, पीसीसीएफ व्ही श्रीनिवास राव, विबग्योर फाउंडेशन के अध्यक्ष शंखदीप चौधरी, विषय विशेषज्ञ, प्रोफेसर, प्रबुद्धजन, स्कॉलर और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

अफीम की खेती पर सीएम की सख्ती, कलेक्टरों को सर्वे कर रिपोर्ट देने के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।राज्य में अवैध रूप से अफीम की खेती का मामले सामने आने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी जिलों के कलेक्टरों को अपने-अपने जिलों में संभावित क्षेत्रों का व्यापक सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि राज्य के किसी भी क्षेत्र में अवैध रूप से अफीम की खेती न हो रही हो। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि 15 दिवस के भीतर प्रमाण पत्र सहित विस्तृत जांच रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य में अवैध मादक पदार्थों के उत्पादन और कारोबार के प्रति सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है और ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मुख्यमंत्री के निर्देश के पालन में आयुक्त भू-अभिलेख द्वारा राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को सर्वे कर जांच रिपोर्ट और उनके जिले में अफीम की खेती नहीं किए जाने संबंधी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के संबंध में पत्र जारी किया गया है।

बिना वीजा रह रही दो रूसी युवतियां गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । राजधानी में अवैध रूप से रह रही दो रूसी युवतियों को तेलीबांधा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों युवतियां बिना वैध वीजा के शहर में रह रही थीं। गिरफ्तार युवतियों के नाम दिनोरा और सारा बताए गए हैं। पुलिस ने बताया कि इनके खिलाफ वर्ष 2026 में भी मामला दर्ज किया गया था। पुलिस को आशंका है कि दोनों युवतियां देह व्यापार से जुड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकती हैं। हाल ही में हुए एक मामले की जांच के दौरान इस पूरे रैकेट का खुलासा हुआ था, जिसमें विदेश और अन्य राज्यों से लड़कियों को बुलाकर सेक्स रैकेट संचालित किए जाने की जानकारी सामने आई थी। बताया जा रहा है कि वीआईपी रोड पर हुए हादसे और हंगामे के बाद पुलिस ने एक रूसी युवती और भावेश आचार्य नामक व्यक्ति से पूछताछ की थी। पूछताछ के दौरान युवती ने कई अहम खुलासे किए, जिसके बाद तेलीबांधा पुलिस और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने संयुक्त रूप से जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि तेलीबांधा और सरस्वती नगर क्षेत्र के कुछ होटलों में युवतियों से देह व्यापार कराया जा रहा था।इस मामले में पुलिस पहले ही 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

रेलवे स्टेशन के बाहर 13 किलो गांजा के साथ प्रेमी-प्रेमिका गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । राजधानी में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर और उसकी महिला साथी को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से करीब 13 किलो से अधिक गांजा बरामद किया गया है। कार्रवाई गुढ़ियारी थाना पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को थाना क्षेत्र के रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 7 के बाहर पार्किंग के पास से पकड़ा गया। दोनों अपने बैग में गांजा रखकर कहीं जाने की फिराक में थे। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम राजेंद्र प्रसाद और हेमलता कैवर्त्य बताया। जांच में सामने आया कि दोनों आपस में प्रेमी-प्रेमिका हैं और पुलिस से बचने के लिए पति-पत्नी बनकर यात्रा करते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी उड़ीसा के खरियार रोड क्षेत्र से गांजा लाकर उत्तरप्रदेश के प्रयागराज ले जा रहे थे। तलाशी के दौरान उनके बैग से 13.156 किलोग्राम गांजा और तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे दो मोबाइल फोन जब्त किए गए। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 6 लाख 77 हजार 800 रुपये आंकी गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ गुढ़ियारी थाने में नारकोटिक एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और तस्करी नेटवर्क के अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में गुढ़ियारी थाना पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त टीम की अहम भूमिका रही।

कलेक्टर अजीत वसंत ने पीएमश्री स्कूल का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर, कलेक्टर अजीत वसंत ने शुक्रवार को अम्बिकापुर के पीएमश्री विद्यालय सोहगा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय भवन, परिसर, कक्षाओं, लाइब्रेरी सहित बच्चों हेतु मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर श्री वसंत ने जिले में बेहतर शैक्षणिक सुधार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पीएम सैचुरेशन बिन्दुओं पर भी कक्षा में जाकर अवलोकन किया।उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों से चर्चा कर पीएम सैचुरेशन बिन्दुओं पर जानकारी ली तथा इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शिक्षकों की संख्या, विद्यार्थियों की संख्या व उपस्थिति सहित अन्य गतिविधियों की जानकारी ली गई। उन्होंने शिक्षकों से कहा की वे विद्यार्थियों के साथ नियमित संवाद बनाए रखें और पढ़ाई में नई व नवाचार शिक्षण पद्धतियों के साथ-साथ खेल-कूद भी अपनाएं।इससे विद्यार्थियों की रुचि पढ़ाई में बढ़ेगी एवं खेल-कूद से मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, जिससे जिले में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होगी।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षा में विद्यार्थियों के बीच बैठकर पढ़ाई से सम्बंधित चर्चा की और उनकी शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली।

मेंड्राकला ग्राम पंचायत में विद्यार्थियों का अनुभवात्मक भ्रमण, स्वयं सहायता समूह की गतिविधियों से हुए रूबरू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - ग्रामीण विकास और पंचायत व्यवस्था की जमीनी समझ विकसित करने के उद्देश्य से राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर तथा मुहिम फाउंडेशन द्वारा जिला पंचायत सरगुजा के सहयोग से विद्यार्थियों का एक दिवसीय अनुभवात्मक अध्ययन भ्रमण आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को विकासखंड अंबिकापुर के ग्राम पंचायत मेंड्राकला का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने पंचायत की विभिन्न स्थानीय संस्थाओं और गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने पंचायत स्तर पर संचालित विभिन्न योजनाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनके कार्यों को समझा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पंचायत प्रतिनिधियों से सीधे संवाद का अवसर भी मिला, जिससे उन्हें ग्रामीण प्रशासन और विकास कार्यों की प्रक्रिया को नजदीक से जानने का मौका मिला। कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायक और यादगार अनुभव विद्यार्थियों के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ संवाद रहा। समूह की महिलाओं ने बताया कि किस प्रकार स्वयं सहायता समूह केवल बचत और ऋण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के लिए सुरक्षा, सहयोग, आत्मविश्वास और सामूहिक शक्ति का मजबूत माध्यम बन चुका है। इस दौरान एक समूह सदस्य ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके लिए सशक्तिकरण का अर्थ जागरूक होना, अपनी सोच रखना, अपनी बात को आत्मविश्वास के साथ रखना और अपने निर्णय स्वयं लेने की क्षमता विकसित करना है। उनके अनुभवों ने विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन में नेतृत्व और सामुदायिक विकास की प्रेरणा प्रदान की।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की राज्य सलाहकार ने जनपद पंचायत अम्बिकापुर, उदयपुर एवं लखनपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों का किया निरीक्षण

अम्बिकापुर - स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत निर्मित परिसम्पत्ति एवं गतिविधियों की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने हेतु स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह द्वारा गुरुवार को जनपद पंचायत अंबिकापुर के ग्राम दरिमा तथा जनपद पंचायत उदयपुर अंतर्गत ग्राम पंडरीपानी, पलका, खोडरी तथा जनपद पंचायत लखनपुर के ग्राम अमगसी का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मिशन अंतर्गत क्रियान्वित कार्यों एवं घटकों का अवलोकन किया।

जेवर खरीदने आई महिला 5 लाख के गहने पहनकर फरार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । राजधानी के टिकरापारा क्षेत्र में एक सराफा दुकान से महिला द्वारा करीब पांच लाख रुपये के गहने लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। घटना गुरुवार दोपहर की बताई जा रही है। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टिकरापारा पुलिस के अनुसार देवपुरी सतनाम चौक स्थित मां दुर्गा ज्वेलर्स में दोपहर करीब 3 बजे एक महिला कमलेश्वरी साहू और उसके साथ एक पुरुष मेशराम साहू पहुंचे। दोनों ने दुकान संचालक से जेवर खरीदने की बात कहकर अलग-अलग डिजाइन दिखाने को कहा। दुकान में मौजूद गहनों में से महिला ने रानी हार, कान की बालियां, अंगूठी, बिछिया और पायल पहनकर देखने की बात कही। गहने पहनने के बाद महिला ने कहा कि वह अपनी सहेली से पैसे लेकर तुरंत लौटती है और दुकान से बाहर चली गई। काफी देर तक वापस नहीं आने पर संचालक को शक हुआ। दुकान संचालक दुर्गा प्रसाद सोनी (58) के अनुसार महिला अपने साथ करीब 4.93 लाख रुपये कीमत के गहने लेकर फरार हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने रात करीब 10 बजे टिकरापारा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

SANKALP पर आधारित होंगी राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं : श्याम बिहारी जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री के विभागों के लिए 6 हजार करोड़ से अधिक की अनुदान मांगें पारित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।छत्तीसगढ़ विधानसभा में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा तथा अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विभागों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 6976 करोड़ 54 लाख रुपये से अधिक की अनुदान मांगें पारित हो गई है।

अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए विभागीय मंत्री जायसवाल ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं SANKALP पर आधारित होंगीं। इसमें S-Strengthened Institutions (सशक्त संस्थान), A-Academic Excellence (उत्कृष्ट अकादमिक गुणवत्ता), N-Next Generation Research (नवोन्मेषी अनुसंधान), K-Knowledge & Clinical Competency (कौशल एवं क्लीनिकल दक्षता), A-Advance Medical Facilities (आधुनिक चिकित्सा सुविधा), L-Life Saving Infrasturcture (जीवन रक्षक अधोसंरचना) तथा P-Professional & Transparent Governance (पारदर्शी प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी) शामिल हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब प्रस्तुत करते हुए प्रदेश के सभी शासकीय अधिकारियों- कर्मचारियों के लिए कैशलेस इलाज की योजना शुरू करने की बात कही। इसके लिए बजट में 100 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

मंत्री जायसवाल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि इस प्रदेश का हर जन स्वस्थ रहे। प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों तक भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें। उन्होंने बताया कि गंभीर बीमारियों के उपचार को सुलभ बनाने के लिए प्रदेश में 25 नए डायलिसिस केंद्र स्थापित किए जाएंगे। साथ ही आम नागरिकों को सस्ती दवाईयां उपलब्ध कराने के लिए 50 जन औषधि केंद्रों का विस्तार किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रायपुर में प्रदेश का पहला होम्योपैथी कॉलेज स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा बिलासपुर में स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी, जिससे कैंसर मरीजों को अत्याधुनिक उपचार सुविधा प्रदेश में ही उपलब्ध हो सकेगी।

मंत्री जायसवाल ने बताया कि रायपुर में मध्य भारत का

अत्याधुनिक कार्डियक इंस्टीट्यूट स्थापित करने की योजना है। यह संस्थान प्रदेश के नागरिकों को उच्च स्तरीय हृदय उपचार की सुविधा प्रदान करेगा। वहीं सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में अधोसंरचना विकास के लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे बाल हृदय उपचार सेवाओं को और अधिक मजबूत एवं व्यापक बनाया जा सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि अंबिकापुर और धमतरी में जिला अस्पतालों के नए भवन बनाए जाएंगे। इसके अलावा रायपुर के कालीबाड़ी क्षेत्र में 200 बिस्तरों वाला मातृ एवं शिशु चिकित्सालय तथा चिरमिरी में नया जिला अस्पताल बनाया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मानव संसाधन को मजबूत करने के उद्देश्य से दुर्ग, कोंडागांव, जशपुर और रायपुर में जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

मंत्री ने बताया कि रायपुर में मध्य भारत के सबसे आधुनिक इंटीग्रेटेड खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला के लिए 95 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस प्रयोगशाला के शुरू होने से राज्य को दिल्ली जैसे महानगरों पर निर्भरता खत्म हो जाएगी एवं छत्तीसगढ़ के साथ अन्य सीमावर्ती राज्यों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाएं मिल सकेंगी। चर्चा के दौरान जायसवाल ने कहा कि राज्य में शीघ्र ही एम्बुलेंस की कमी दूर होगी। राज्य के सभी जिलों के लिए 300 नए एम्बुलेंस के लिए टेण्डर प्रक्रियाधीन है। इसके अतिरिक्त वेंटीलेटर युक्त 70 अत्याधुनिक एम्बुलेंस तथा नवजात शिशुओं के लिए सर्वसुविधाजनक 10 अन्य एम्बुलेंस क्रय करने की प्रक्रिया भी शीघ्र ही पूर्ण कर ली जाएगी।

चिकित्सा शिक्षा विभाग

चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026- 27 के लिए संचालनालय चिकित्सा शिक्षा हेतु 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रावधान किया गया है। नवीन पांच शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों (दंतेवाड़ा, मनेन्द्रगढ़, जशपुर, जांजगीर-चांपा और कबीरधाम) के लिए 1,240 पद तथा संबंधित चिकित्सालयों के लिए 500 पदों का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर के ट्रामा सेंटर भवन निर्माण के लिए भी बजट का प्रावधान किया गया है। चिकित्सा महाविद्यालयों और संबद्ध अस्पतालों में उपकरणों की खरीदी के लिए 50 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान रखा गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने चर्चा में कहा कि राज्य के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रावास निर्माण के लिए बजट में 83 करोड़ रूपए से अधिक का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, अम्बिकापुर तथा जगदलपुर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रावास का निर्माण किया जाएगा।

अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस विभाग के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के लिए मांग संख्या 66 के तहत कुल 251 करोड़ 68 लाख 38 हजार रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

सम्पादकीय

इच्छा मृत्यु पर कानून बनाए जाने की जरूरत

भारत में इच्छामृत्यु का सवाल लंबे समय से कानूनी, नैतिक और मानवीय बहस का विषय रहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने 13 वर्षों से कोमा में पड़े युवक हरीश राणा को पैसिव यूथेनेशिया यानी इच्छामृत्यु की अनुमति देकर एक महत्वपूर्ण और मानवीय फैसला दिया है। यह निर्णय केवल एक व्यक्ति की पीड़ा से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक प्रश्न को भी सामने लाता है कि असाध्य बीमारी और असहनीय पीड़ा झेल रहे व्यक्ति को क्या सम्मानपूर्वक मृत्यु का अधिकार मिलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने एक बार फिर यह जरूरत रेखांकित कर दी है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर स्पष्ट और व्यापक कानून बनाया जाए, ताकि ऐसे संवेदनशील मामलों में न्यायिक और चिकित्सीय प्रक्रिया स्पष्ट हो सके। हरीश राणा की कहानी बेहद मार्मिक है। दिल्ली में जन्मे हरीश चंडीगढ़ स्थित पंजाब में बीटेक के छात्र थे। वर्ष 2013 में हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरने के बाद उन्हें गंभीर चोटें आईं और वे कोमा में चले गए। डॉक्टरों ने उन्हें क्वाड्रिप्लेजिया से पीड़ित बताया, जिसमें मरीज के चारों अंग काम करना बंद कर देते हैं और वह पूरी तरह लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हो जाता है। पिछले 13 वर्षों से वे वेंटिलेटर और फीडिंग ट्यूब के सहारे जीवन जी रहे हैं। लंबे समय तक बिस्तर पर पड़े रहने से उनके शरीर पर गंभीर घाव बन गए हैं और उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। परिवार के लिए यह स्थिति मानसिक पीड़ा के साथ-साथ भारी आर्थिक बोझ का कारण भी बन चुकी है। इस मामले में शीर्ष कोर्ट ने निर्देश दिया कि लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए, ताकि मरीज की गरिमा बनी रहे। देश में इच्छामृत्यु को लेकर न्यायिक आधार पहले से मौजूद है। वर्ष 2011 में मुंबई की नर्स अरुणा रामचंद्र शानबाग के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार पैसिव यूथेनेशिया को सीमित रूप में मान्यता दी थी। इसके बाद 2018 में एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए पैसिव यूथेनेशिया को वैध ठहराया और 'लिविंग विल' को भी मान्यता दी। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि सम्मान के साथ जीने का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आता है, इसलिए आवश्यक है कि संसद इस विषय पर स्पष्ट और व्यापक कानून बनाए। दुनिया के कई देशों में इच्छामृत्यु को लेकर अलग-अलग व्यवस्था है। दूसरी ओर कई बड़े देशों में इच्छामृत्यु को लेकर अभी भी कड़े प्रतिबंध हैं। अमेरिका में संघीय स्तर पर एक्टिव यूथेनेशिया अवैध है, हालांकि कुछ राज्यों में डॉक्टर की सहायता से मृत्यु की सीमित अनुमति है। चीन और रूस जैसे देशों में इच्छामृत्यु पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसे कानूनन अपराध माना जाता है। इसी तरह पाकिस्तान में भी धार्मिक और कानूनी आधारों पर इच्छामृत्यु को पूरी तरह गैरकानूनी माना गया है। इन अंतरराष्ट्रीय उदाहरणों से स्पष्ट है कि दुनिया के अलग-अलग देशों ने अपने सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी ढांचे के अनुसार इस विषय पर अलग-अलग रास्ते अपनाए हैं। भारत में भी कानून बनाते समय मानवीय संवेदना और कानूनी सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि आर्थिक बोझ, पारिवारिक दबाव या संपत्ति विवाद के कारण किसी मरीज को जबरन इच्छामृत्यु की ओर न धकेला जाए।

विश्लेषण
राज कुमार सिंह

जितनी लंबी जंग, उतने व्यापक दुष्परिणाम

मध्य पूर्व में भड़क रही जंग के लिए भी किसी एक पक्ष को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन शांति वार्ताओं के बीच ईरान पर हमले की शुरुआत निश्चय ही अमेरिका और इजराइल ने की। कभी जन संहारक हथियारों का हौव्वा खड़ा कर इराक पर हमला करने वाले अमेरिका के अब इस तर्क पर विश्वास कर पाना आसान नहीं कि ईरान उस पर हमला करने ही वाला था। राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मौत के घाट उतार कर इराक को लगभग बर्बाद कर दिया गया, लेकिन जन संहारक हथियार आज तक नहीं मिले। पहले ही हमले में सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई को मार दिया गया, लेकिन ईरान के उन्नत परमाणु कार्यक्रम के प्रमाण अभी तक नहीं मिले हैं।

जाहिर है, जंग एकतरफा नहीं हो सकती। इसलिए मध्य पूर्व में भड़क रही जंग के लिए भी किसी एक पक्ष को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन शांति वार्ताओं के बीच ईरान पर हमले की शुरुआत निश्चय ही अमेरिका और इजराइल ने की। कभी जन संहारक हथियारों का हौव्वा खड़ा कर इराक पर हमला करने वाले अमेरिका के अब इस तर्क पर विश्वास कर पाना आसान नहीं कि ईरान उस पर हमला करने ही वाला था। राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मौत के घाट उतार कर इराक को लगभग बर्बाद कर दिया गया, लेकिन जन संहारक हथियार आज तक नहीं मिले। 28 फरवरी को पहले ही हमले में सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत 40 प्रमुख लोगों को मार दिया गया, लेकिन ईरान के उन्नत परमाणु कार्यक्रम के प्रमाण अभी तक नहीं मिले हैं। जाहिर है, राजनीति की तरह कूटनीति में भी माहौल बनाने के लिए बहुत कुछ कह दिया जाता है, जिसका सच से कोई वास्ता नहीं होता। इजराइल के खुफिया सूचना तंत्र की बदौलत खामेनेई समेत शीर्ष नेतृत्व के चालीस सदस्यों को पहले ही दिन मार गिराये जाने के बाद अमेरिका को लगा होगा कि ईरान में कठपुतली सरकार बनवाना बस एक-दो दिन का काम है, लेकिन 11 दिन से जारी जंग और विश्व पर उसके व्यापक असर से साफ हो गया कि वह आकलन गलत था। आर्थिक और सैन्य महाशक्ति अमेरिका से जीत की गलतफहमी ईरान को नहीं होगी, लेकिन उसकी संप्रभुता एवं अस्तित्व रक्षा की जंग लंबी चल सकती है।

कम आबादी के बावजूद इजराइल की उन्नत रक्षा तकनीक और सामर्थ्य किसी से छिपी नहीं है, लेकिन दोनों मिल कर भी ईरान पर काबू तो दूर, उसके जवाबी हमलों से बच तक नहीं पा रहे। 18-20 लाख रुपये लागत वाले ईरानी ड्रोन को मार गिराने के लिए अमेरिका को 35-37 करोड़ रुपये की मिसाइल चलानी पड़ रही है। अमेरिका का औसत युद्ध खर्च आठ हजार करोड़ रुपये प्रतिदिन आ रहा है। युद्ध के अन्य असर अलग हैं। जंग जितनी लंबी चलेगी, आर्थिक रूप से भी अमेरिका को भारी पड़ेगी। कभी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कहते हैं कि जंग चार-पांच सप्ताह चल सकती है तो कभी जल्द समाप्त होने की भविष्यवाणी कर कच्चे तेल की कीमतों में लगी आग बुझाने की कोशिश करते हैं। उधर, ईरान छह महीने की तैयारी की बात कह रहा है। हालांकि ऐसी जंग के बीच मृतकों की सही संख्या बता पाना मुश्किल होता है। फिर भी मान लें कि ईरानी बहुत ज्यादा संख्या में मारे जा रहे हैं, तो यह नहीं भूलना चाहिए कि अपने सैनिकों की सुरक्षा को लेकर अमेरिका ज्यादा संवेदनशील माना जाता है। जंग जारी रही और जमीन पर भी उतरी तो ताबूत में स्वदेश लौटने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़ेगी ही। इजराइल की जंग में अवांछित अग्रणी भूमिका के विरोध में जारी प्रदर्शन, अपने सैनिकों की मौत से न सिर्फ और भड़केंगे, बल्कि ट्रंप को उसकी भारी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी। व्यापारी मूलतः धैर्यवान माने जाते हैं, पर ट्रंप का उतावलापन किसी से छिपा नहीं है। ज्यादा पुरानी घटना नहीं है, जब ट्रंप ने फोर्स वन भेज कर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सपत्नीक उठवा लिया और खुद को वहां का कार्यवाहक राष्ट्रपति भी सोशल मीडिया पर लिखना शुरू कर दिया। खामेनेई के खात्मे के बाद

उन्होंने यह कहने में भी संकोच नहीं किया कि उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उन्हें मिलना चाहिए। किसी दूसरे देश का नेतृत्व खुद चुनने की सोच तानाशाही का मुंह बोलता प्रमाण ही है, लेकिन विश्व समुदाय मौन रहा। फिर भी जो हुआ, वह सबके सामने है। ट्रंप की धमकियों के बावजूद ईरान ने खामेनेई के बेटे मोजतबा को ही अपना नया सर्वोच्च नेता चुना और मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले भी बदस्तूर जारी हैं। बेशक इससे मध्य पूर्व के ये इस्लामी देश ईरान के विरुद्ध हो जाएंगे, लेकिन वे तो पहले से ही अमेरिका का सैन्य अड्डा बने हुए हैं। वैसे खेद जताते हुए भी ईरान ने स्पष्ट कर दिया कि अगर वे उस पर हमलों के लिए लांचिंग पैड बनेंगे तो जवाबी हमले जारी रह सकते हैं। जाहिर है, इन देशों में अमेरिका ने सैन्य ठिकाने बनाये ही लांचिंग पैड की तरह इस्तेमाल के लिए हैं। अब इन देशों की सुरक्षा का दबाव अमेरिका पर अवश्य बढ़ रहा है। चीन और रूस द्वारा ईरान की मदद के अमेरिकी दावों का सच पता कर पाना आसान नहीं, लेकिन अगर अप्रत्यक्ष रूप से भी ऐसा हुआ तो जंग लंबी खिंचना तय है। ईरान ने जिस तरह चीन और रूस के अलावा शेष विश्व के लिए होर्मुज जल डमरूमध्य मार्ग बंद कर दिया है, उसके दो संदेश साफ हैं: एक, चीन और रूस के प्रति उसका मित्रताभाव। जाहिर है, ऐसी रियायत न मिलना भारत की कूटनीति पर सवाल भी खड़े करता है। दूसरा, इससे अन्य देशों की ऊर्जा चुनौतियां बढ़ेंगी, जो अमेरिका पर जंग समाप्ति का दबाव बना सकते हैं। 11 दिन की जंग में ही कई देशों में पेट्रोल-डीजल और गैस की किल्लत तथा आसमान छूती कीमतें भविष्य के गंभीर संकट का संकेत ही हैं। विश्व भर की ऊर्जा जरूरतों की लगभग एक-चौथाई आपूर्ति होर्मुज जलडमरू मध्य मार्ग से ही होती है, जिस पर ईरान का नियंत्रण है। खुद कभी भी और किसी भी देश पर हमला करना अपना अधिकार समझने वाले ट्रंप अंतरराष्ट्रीय जल मार्ग पर किसी का अधिकार न होने का तर्क देते हुए ईरान को और भी 20 गुना ज्यादा ताकत से हमले की धमकियां तो दे रहे हैं, पर उनका असर होने की उम्मीद नहीं दिखती। इराक और अफगानिस्तान समेत कई देशों में अमेरिकी सैन्य आक्रमण में भागीदार बनने वाले नाटो सदस्य देश इस बार ईरान पर हमले में साथ नहीं हैं। कुछ देशों ने तो अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल तक नहीं करने दिया। इसे विश्व व्यवस्था में अमेरिका के अलग-थलग पड़ने का संकेत भी माना जा रहा है। बेशक अहमन्यता और साम्राज्यवाद अमेरिकी चरित्र का हिस्सा रहा है, लेकिन ट्रंप जिस तरह दुनिया को खुलेआम धमका रहे हैं, उसे वैश्विक व्यवस्था के लिए ही खतरे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए यह युद्ध चाहे-अनचाहे नई वैश्विक व्यवस्था की भूमिका भी लिखने जा रहा है। शायद यही कारण है कि भारत समेत कुछ देश जल्दबाजी में अपने पत्ते नहीं खोलना चाहते। विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्र तथा आर्थिक एवं सैन्य महाशक्ति अमेरिका की हैसियत डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे राष्ट्रपति काल के बाद भी बरकरार रह पाएगी- इस पर अब संदेह और सवाल गहराने लगे हैं। गौरतलब है कि यूएस-इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग का असर केवल इन देशों तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि दुनिया के कई देश इसके दायरे में आ चुके हैं। मिडिल ईस्ट में तनाव से गैस आपूर्ति का खतरा मंडरा रहा है। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी इसका असर दिखाई दे सकता है। आने वाले समय में ये संकट और बड़ा हो सकता है। स्ट्रेट ऑफ हार्मुज के बंद होने से जहाज फंसे हैं, जिसके कारण शिपिंग और फर्टिलाइजर के दाम बढ़ने की आशंका है। हालांकि इन चुनौतीपूर्ण हालात से निपटने के लिए भारत ने कूटनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अभियान
बलकार सिंह पूनियां

महिला नेतृत्व से सुदृढ़ होता जमीनी लोकतंत्र

भारत का लोकतंत्र केवल संसद और विधानसभाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी वास्तविक शक्ति गांवों और स्थानीय समुदायों में स्थित पंचायती राज संस्थाओं में निहित है। जब स्थानीय स्तर पर शासन व्यवस्था मजबूत होती है, तब लोकतंत्र की जड़ें और गहरी होती हैं और विकास अधिक समावेशी बनता है। इसी दृष्टि से पंचायती राज मंत्रालय ने नई दिल्ली में पंचायतों की चुनी हुई महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों का एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया है। 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' के अंतर्गत आयोजित इस सम्मेलन का केंद्रीय संदेश है-"सशक्त महिला, सशक्त पंचायत।" इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं को अधिक समावेशी बनाना तथा ग्रामीण शासन में महिला नेताओं की भूमिका को सामने लाना है। यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वर्ष की उस प्रेरणादायी यात्रा का उत्सव है, जिसकी शुरुआत 4 मार्च 2025 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के संदर्भ में हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ग्राम पंचायतों में, विशेष रूप से महिला नेतृत्व को सशक्त बनाने के लिए क्षमता निर्माण और आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। देश में पंचायती राज संस्थाओं में 14 लाख से अधिक महिला निर्वाचित प्रतिनिधि कार्य कर रही हैं। कई राज्यों ने महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत तक आरक्षण लागू किया है, जिससे महिला नेतृत्व का विस्तार और अधिक हुआ है। उल्लेखनीय बात यह भी है कि बिहार सहित कई राज्यों में महिलाएं आरक्षित सीटों के अतिरिक्त अनारक्षित सीटों पर भी निर्वाचित होकर सामने आ रही हैं, जो ग्रामीण राजनीति में बढ़ते आत्मविश्वास और सामाजिक परिवर्तन का संकेत है। पिछले एक वर्ष में 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। संशोधित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत वर्ष 2025-26 में कुल 6,81,758 महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त "चैंपियनिंग ऑफ चेंजः स्थानीय शासन में महिला नेत्रियों का सशक्तिकरण" नामक विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से 1,21,512 महिला प्रतिनिधियों और मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य महिला प्रतिनिधियों को प्रशासनिक प्रक्रियाओं, निर्णय-निर्माण और स्थानीय शासन के व्यावहारिक पक्षों से परिचित कराना था। इसी क्रम में 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने कुल 744 मॉडल महिला-हितैषी ग्राम पंचायतों का चयन किया है। प्रत्येक जिले में एक ग्राम पंचायत को इस रूप में चिन्हित किया गया है ताकि वे महिला-केंद्रित शासन की मिसाल बन सकें। इन मॉडल महिला-हितैषी ग्राम पंचायतों के विकास के लिए 310 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं, जो सरपंचों, पंचायत सचिवों और अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। हालांकि पंचायतों में महिलाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, फिर भी कुछ चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। कई स्थानों पर महिला प्रतिनिधियों को अपने अधिकारों और दायित्वों के निर्वहन में सामाजिक और संस्थागत बाधाओं का सामना करना पड़ता है। प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व की समस्या भी कई राज्यों में देखी जाती है, जहां निर्वाचित महिला प्रतिनिधि के स्थान पर उनके पति या अन्य पुरुष रिश्तेदार निर्णय लेते हैं।

इसी समस्या को ध्यान मं रखते हुए पंचायती राज मंत्रालय ने "से नो टू प्रोक्सी सरपंच" नामक राष्ट्रव्यापी सोशल मीडिया अभियान शुरू किया है, जो 8 से 18 मार्च 2026 तक चलाया जा रहा है। यह सम्मेलन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सहकर्मी-अधिगम और श्रेष्ठ प्रथाओं के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करेगा। साथ ही उत्कृष्ट महिला पंचायत नेत्रियों को 'बीकन महिला नेत्री' के रूप में सम्मानित किया जाएगा, ताकि उनके कार्यों से अन्य प्रतिनिधियों को प्रेरणा मिल सके। अंततः यह कहा जा सकता है कि 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' भारत के जमीनी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं तो शासन अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और समावेशी बनता है। पंचायतों में महिला प्रतिनिधियों को वास्तविक अधिकार और अवसर प्रदान करना केवल लैंगिक समानता का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विकास की अनिवार्य शर्त है। यह राष्ट्रीय सम्मेलन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो महिला नेतृत्व के माध्यम से सशक्त पंचायत और सशक्त ग्रामीण भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

(लेखक सहायक प्रोफेसर इग्नू नई दिल्ली हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सच बोलना सबसे बड़ी तपस्या

संकलित
दर्शन

सत्य ही सर्वस्व है। सत्य के बिना सदाचार, दान, कीर्ति, धन किसी काम के नहीं। जहां सत्य होगा, वहां ये सभी होंगे। सत्य परमात्मा है। सत्य प्रभु से भिन्न नहीं है। सत्य के द्वारा मनुष्य ईश्वर के निकट जा सकता है। जंगलों, पहाड़ों और वीराने में एकांतवास करना तपस्या नहीं है। जीवन में सच बोलना और सच की राह पर चलना ही सबसे बड़ी तपस्या है। धर्म के चार पद हैं- सत्य, तप, दया और पवित्रता। इन चार चरणों में सत्य सर्वोपरि है। महाभारत में राजा सत्यदेव की कथा आती है। एक दिन राजा ने स्वप्न देखा कि चंचला लक्ष्मी उनके महल से कुछ समय पश्चात चली जाएगी। एक दिन सुबह जब सत्यदेव उठे, तो उन्होंने एक सुंदर स्त्री को घर से निकलते देखा। राजा ने आश्चर्य से उस स्त्री से पूछा, 'आप कौन हैं?' जवाब मिला, 'मेरा नाम लक्ष्मी है। अब मैं इस घर से जा रही हूं। राजा ने कहा कि आप जा सकती हैं। लक्ष्मीजी चली गईं। उसके पीछे एक सुंदर पुरुष को बाहर जाते देखकर राजा ने पूछा, आप कौन हैं?' उत्तर मिला, 'मेरा नाम दान है। लक्ष्मी के जाने के बाद आप दान नहीं कर सकेंगे, इसलिए मैं आपका घर छोड़ कर जा रहा हूं।' राजा ने कहा कि आप भी जा सकते हैं। इसके बाद तीसरा सदाचार और चौथा यश, पुरुष के रूप में बाहर आए। राजा के पूछने पर लक्ष्मी तथा दान के साथ जाने की कहने पर राजा ने दोनों को जाने दिया। जब पांचवां पुरुष सत्य जाने लगा, तो राजा ने हाथ जोड़ विनयपूर्वक कहा, 'मैंने तो आपका कभी त्याग नहीं किया। आप मुझको किसलिए छोड़ रहे हैं?

समर्पण ही सच्ची भक्ति

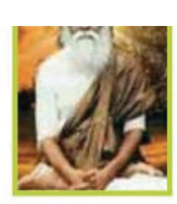

संकलित
प्रेरणा

एक बार परमहंसदेव अपने शिष्यों को कुछ उपदेश दे रहे थे। वह शिष्यों को अवसर की महत्ता बता रहे थे । वह बोल रहे थे कि मनुष्य अक्सर अपने जीवन में आये सुअवसरों को ज्ञान और साहस की कमी के कारण खो देता है। अज्ञान के कारण मनुष्य या तो अवसर को समझ ही नहीं पाता और कोई समझ भी जाये तो उसका लाभ उठाने के अनुरूप उसमें साहस नहीं होता। जब उन्होंने देखा कि बात शिष्यों को समझ नहीं आ रही है तो उन्होंने सामने ही बैठे नरेंद्र से कहा– नरेंद्र ! मान ले अगर तू एक मक्खी है और तेरे सामने अमृत का एक कटोरा भरा पड़ा है। अब बता तू उसमें कूद पड़ेगा या किनारे बैठकर उसे छूने की कोशिश करेंगा? नरेंद्र बोला- किनारे बैठकर छूने की कोशिश करूंगा। बीच में कूद पड़ा तो प्राण संकट में आ सकते है । इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि किनारे बैठकर खाने की कोशिश की जाये। पास में बैठे दुसरे शिष्यों ने विवेकानंद के तर्क की खूब सराहना की । किन्तु परमहंसजी हँसे और बोले- मुर्ख! जिस अमृत को पीकर तू अमर होने की कल्पना करता है, उसमें भी डूबने से डरता है। जब अमृत में डूबने का सुअवसर मिल रहा है तो फिर मृत्यु का भय क्यों? तब शिष्यों को बात समझ में आई। चाहे आध्यात्मिक उन्नति हो या भौतिक, जब तक पूर्ण समर्पण नहीं होता, सफलता संदिग्ध है।

अंतर्मन

आज की पाती

प्रकृति स्वरूपा है नारी ब्रह्मांड का आधार है नारी

प्रति वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिलाओं की सुरक्षा के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल की सच्चाईयां बहुत ही खौफनाक हैं। महिलाओं पर जुल्म बढ़ते ही जा रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि नारी प्रकृति स्वरूपा है, नारी ब्रह्मांड का आधार है, नारी जगत जननी है, न मजबूर न समझो इसे बेचारी। सजीवन एक खूबसूरत यात्रा है। इसी यात्रा में हम संघर्ष करते हुए सदैव गतिमान रहते हैं।

-विजया राजपूत, भिलाई

ट्रेंड

विनम्र श्रद्धांजलि

स्वधर्म, स्वराज एवं राष्ट्ररक्षा हेतु अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले महान मराठा छत्रपति संभाजी महाराज के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्रधर्म की वेदी पर उनका सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास में वीरता, त्याग एवं स्वाभिमान का स्वर्णिम अध्याय है।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

सिविक सेंस

कुछ लोग जब सदन के अंदर आते हैं तो सिविक सेंस, कॉन्स्टिट्यूशनल सेंस और कॉमन सेंस बाहर ही छोड़ कर आते हैं। राहुल गांधी को लगता है कि नियम उनके लिए नहीं है, नियम उनसे है।

-अनुराग ठाकुर, सांसद, भाजपा

रसोई गैस संकट

देश में रसोई गैस आपूर्ति पर गहराता संकट बेहद चिंताजनक है। मोदी सरकार इस संभावित राष्ट्रीय संकट को लेकर भी हमेशा की तरह लापरवाह और असंवेदनशील बनी हुई है। समय रहते स्थिति का आकलन ना कर पाना केंद्र सरकार का स्पष्ट 'कलेक्टिव फेलियर' है।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

कच्चे माल की सुरक्षा

भारत को ऐसे युद्ध के प्रतिकूल परिणामों का सामना करते देखना दुखद है, जिससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है, खासकर कच्चे माल की सुरक्षा के संदर्भ में। हमें अपने तेल, तांबे, सोने या किसी अन्य धातु संसाधन का आयात नहीं करना पड़ता।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

करंट अफेयर

मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर बुधवार को उस समय अटकलें तेज हो गईं जब ईरान के राष्ट्रपति के बेटे ने उनके 'घायल होने' संबंधी समाचार सुनने की बात कही। मोजतबा (56) इजराइल और अमेरिका के हमलों में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे हैं। ईरान में मोजतबा लंबे समय से एक रहस्यमय शख्सियत रहे हैं। उनके पिता एवं पत्नी की 28 फरवरी को इजराइली हवाई हमले में मौत हो गई थी और उसी हमले के बाद युद्ध शुरू हुआ। इसके बाद से मोजतबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं और सोमवार को सर्वोच्च नेता बनने के बाद से उन्होंने कोई बयान भी नहीं दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के बेटे यूसुफ पेजेश्कियन ने टेलीग्राम ऐप पर रात में एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा , मैंने मोजतबा के घायल होने की खबरें सुनीं। मैंने उनके संपर्क में रहे मित्रों से इसके बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि 'अल्लाह का शुक्र है, वह स्वस्थ हैं और कोई समस्या नहीं है।

ऑफ बीट

'भारत टैक्सी' का जल्द ही सभी बड़े शहरों में विस्तार

सरकार ने बुधवार को कहा कि सहकारी क्षेत्र की परिवहन सेवा 'भारत टैक्सी' का अगले दो से तीन वर्षों में देश के सभी बड़े शहरों और तालुका तक विस्तार किया जाएगा। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सहकारी समितियों द्वारा रोजगार सृजन से जुड़े पूरक सवालों के जवाब में सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल ने कहा कि 'भारत टैक्सी' की शुरुआत ड्राइवरों को सशक्त बनाने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा, इसकी बुकिंग मोबाइल ऐप के माध्यम से आसानी से की जा सकती है। इसमें सुरक्षा की पूरी गारंटी और पूर्ण पारदर्शिता है। इसे दिल्ली पुलिस के साथ भी संबद्ध किया गया है। मंत्री ने बताया कि 'भारत टैक्सी' फिलहाल दिल्ली-एनसीआर के अलावा गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, सोमनाथ और द्वारका में संचालित हो रही है। उन्होंने कहा, अगले दो या तीन वर्षों में इस सेवा को सभी बड़े शहरों और तालुका तक पहुंचाया जाएगा। अब तक इसके साथ चार लाख ड्राइवर पंजीकृत हो चुके हैं। पिछले महीने केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'भारत टैक्सी' सेवा की शुरुआत की थी, जो सहकारी आधार पर संचालित देश का पहला 'राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म' है।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अनिल कुमार गर्ग पिता अमरलाल वगै० जाति अग्रवाल निवासी शिवनन्दनपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा निवेदन किया गया है. कि उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर नंबर 165/30, रकबा 0.014 हे० भूमि को आवेदक द्वारा जगजीत सिंह पिता टी०एस०बग्गा निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर से क्रय हक के माध्यम से प्राप्त हुआ है। तथा जो भूमि वर्ष 1981-82 में बचन बग्गा पत्नी जगजीत सिंह के नाम से व्यपवर्तित हो चुकी है, उक्त भूमि का पुर्ननिर्धारण के लिए आवेदन पत्र, व्यपवर्तन प्रमाण पत्र, संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 13/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अम्बिकापुर

योगी सरकार ने स्टाम्प चोरी रोकने के लिए कसी कमर

मार्च 2026 तक 200 करोड़ के अतिरिक्त राजस्व का रखा लक्ष्य

योगी सरकार राजस्व संग्रह मजबूत करने और पारदर्शिता बढ़ाने हेतु विशेष अभियान चला रही है। इसमें अपंजीकृत संपत्तियों का पंजीकरण, लंबित स्टाम्प वादों का निस्तारण और विभिन्न संस्थाओं से स्टाम्प शुल्क वसूली शामिल है। मार्च 2026 तक 200 करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व का लक्ष्य है, जिसमें एनएचएआई टोल प्लाजा और विभिन्न विकास परियोजनाओं से आय शामिल है।

एजेंसी ⏭ लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश के राजस्व संग्रह व्यवस्था को मजबूत करने और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्टाम्प एवं निबंधन विभाग विशेष अभियान चलाकर अपंजीकृत संपत्तियों के पंजीकरण, लंबित स्टाम्प वादों के निस्तारण और विभिन्न संस्थाओं से देय स्टाम्प शुल्क की वसूली पर जोर दे रहा है। अभियान का उद्देश्य राजस्व में वृद्धि के साथ-साथ संपत्ति लेनदेन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है।

स्टाम्प दरों का कराया जा रहा व्यापक सर्वे

प्रदेश भर के विकास प्राधिकरणों, आवास विकास परिषद, यूपीएसआईडीसी तथा अन्य संस्थाओं की अपंजीकृत संपत्तियों का विशेष अभियान के तहत पंजीकरण कराया जा रहा है। इसके साथ ही विभिन्न विकास प्राधिकरणों और सरकारी एजेंसियों

से जुड़े समझौतों और परियोजनाओं की समीक्षा कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि निर्धारित स्टाम्प शुल्क का भुगतान समय पर हो। इसके साथ ही स्टाम्प दरों का भी व्यापक सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे का उद्देश्य प्रदेश में संपत्तियों की अद्यतन और वास्तविक न्यूनतम बाजार दरों को मूल्यांकन सूची में शामिल करना है, ताकि राजस्व संग्रह में पारदर्शिता आए और बाजार की वास्तविक स्थिति के अनुरूप दरें तय की जा सकें। सर्किल दर सूची के सरलीकरण और मानकीकरण का प्रारूप पहले ही जारी किया जा चुका है।

जीडीए की न्यू टाउनशिप योजना से मिलेगा 100 करोड़ का राजस्व

विभाग की ओर से राजस्व बढ़ाने के लिए विभिन्न जिलों में विशेष कार्ययोजनाएं भी बनाई गई हैं। मुरादाबाद में एमडीए की सहायक और गोविंदपुरम आवासीय योजनाओं से लगभग 22 करोड़ रुपये, वाराणसी में वीडीए की गंजारी स्पोर्ट्स सिटी परियोजना से करीब 40 करोड़ रुपये तथा गोरखपुर में जीडीए की न्यू टाउनशिप योजना से लगभग 100 करोड़ रुपये के राजस्व की संभावना है।

एनएचएआई के टोल प्लाजा से 72 करोड़ का स्टाम्प देय निर्धारित

एनएचएआई के टोल प्लाजा से जुड़े मामलों की भी गहन समीक्षा की जा रही है। प्रदेश में एनएचएआई के कुल 123 टोल प्लाजा और संबंधित एजेंसियों के बीच हुए समझौतों का परीक्षण कर लगभग 72 करोड़ रुपये की स्टाम्प देयता निर्धारित की गई है। इन मामलों में विभिन्न न्यायालयों में वाद दर्ज किए गए हैं और प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। गाजियाबाद में एक मामले का निस्तारण करते हुए लगभग 70 लाख रुपये की वसूली की गई है, जबकि कुशीनगर में दो मामलों में लगभग 52 लाख रुपये की वसूली की प्रक्रिया चल रही है। प्रदेश के कई जिलों में विकास प्राधिकरणों और निजी कॉलोनाइजरों की अपंजीकृत संपत्तियों के पंजीकरण के माध्यम से भी राजस्व बढ़ाने की योजना है। गौतमबुद्धनगर में यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से जुड़े मामलों से लगभग 93 करोड़ रुपये का राजस्व की संभावना है। वहीं, मेरठ में निजी बिल्डरों की अपंजीकृत संपत्तियों और आरआरटीएस परियोजना से लगभग 252 करोड़ रुपए की आय का अनुमान है। इसी तरह गाजियाबाद में जीडीए की हरनंदीपुरम आवासीय योजना और यूपीएसआईडीसी की मोदीनगर परियोजना से लगभग 153 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति की संभावना जताई गई है। इसी तरह बरेली में बीडीए की पीलीभीत आवासीय योजना से करीब 50 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है।

अफसरों की छुट्टियां रद्द

पटना में शिकायत गैस एजेंसी के डिलीवरी बॉय पर एफआईआर

एजेंसी ⏭ पटना

ईरान युद्ध और पश्चिमी एशिया में आए संकट के बीच भारत में एलपीजी संकट के दावे हो रहे हैं। बिहार में भी एलपीजी सिलेंडर को लेकर त्राहिमाम मचा हुआ है। इस बीच जिलाधिकारी, पटना के निर्देश पर घरेलू एलपीजी गैस की सुचारू आपूर्ति एवं वितरण सुनिश्चित करने तथा इसके अनुश्रवण के लिए जिला स्तर पर हेल्पलाइन स्थापित किया गया है। पटना में ग्राहक की शिकायत पर एक गैस एजेंसी के डिलीवरी बॉय पर एफआईआर भी हो गई है। साथ ही जिला प्रशासन ने पटना जिला के सभी प्रखंडों में आपूर्ति पदाधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं।

मुजफ्फरपुर जिले में भी रसोई गैस संकट

इधर मुजफ्फरपुर में रसोई गैस संकट हो गया है। उपभोक्ता रसोई गैस सिलेंडर की रिफिलिंग कराने के लिए गैस एजेंसी कार्यालय, गोदाम से लेकर वेंडर तक का चक्कर काट रहें है। गुरुवार की सुबह सिकंदरपुर इलाके के लोगों को रसोई गैस नहीं मिल।

सम्राट चौधरी ने एनडीए विधायकों को घर बुलाया

पटना। बिहार से राज्यसभा की 5 सीटों के चुनाव के लिए 16 मार्च को मतदान से पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्य के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार शाम पटना में एनडीए के विधायकों की बैठक बुलाया। सम्राट चौधरी ने पटना में अपने आवास पर एनडीए के 5 दलों के सभी 202 विधायकों को मीटिंग और रात्रि भोज के लिए बुलाया है। चुनाव में एनडीए उम्मीदवार नीतीश कुमार, नितिन नवीन, उपेंद्र कुशवाहा, रामनाथ ठाकुर और शिवेश राम को जिताने की रणनीति बनाई जाएगी।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रमेश कुमार पिता कपूरचन्द अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी शिवनन्दनपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा निवेदन किया गया है, कि उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर नंबर 167/8, रकबा 0.014 हे० भूमि को आवेदक द्वारा जगजीत सिंह पिता टी०एस० बग्गा निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर से क्रय हक के माध्यम से प्राप्त हुआ है। तथा जो भूमि वर्ष 1981-82 में बचन बग्गा पत्नी जगजीत सिंह के नाम से व्यपवर्तित हो चुकी है, उक्त भूमि का पुर्ननिर्धारण के लिए आवेदन पत्र, व्यपवर्तन प्रमाण पत्र, संहित आवेदन प्रस्तुत किया है. जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि .13/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 03/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अम्बिकापुर

दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश भारत से खरीदेगा ब्रह्मोस मिसाइलें

इंडोनेशिया ने किया 3800 करोड़ रुपए का सैन्य समझौता, रणनीतिक साझेदारी को मिलेगी ताकत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रक्षा उद्योग के क्षेत्र में भारत को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। फिलीपींस के बाद अब दुनिया के सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया ने भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली खरीदने का समझौता किया है। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रिको रिकार्डो सिरैत ने इसकी पुष्टि की। इस समझौते के साथ इंडोनेशिया, फिलीपींस के बाद ब्रह्मोस खरीदने वाला दक्षिण-पूर्व एशिया का दूसरा देश बन गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर भारत-इंडोनेशिया के बीच हुई इस डील की कीमत 450 मिलियन डॉलर यानी 3,800 करोड़ रुपए है। इंडोनेशिया ने कहा कि यह सौदा उसके हथियारों के आधुनिकीकरण और तटीय सुरक्षा क्षमता को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है।

तटीय रक्षा मजबूत होगी

गणतंत्र दिवस पर ब्रह्मोस मिसाइलों का प्रदर्शन — फाइल फोटो

प्रवक्ता रिको रिकार्डो सिरैत के मुताबिक, इंडोनेशिया ने भारत के साथ ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की खरीद में साझेदारी की है। यह हमारे शस्त्रों के आधुनिकीकरण, विशेष रूप से तटीय रक्षा को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है। यह खरीद रक्षा क्षेत्र में जकार्ता-नई दिल्ली की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करती है। इस नई प्रणाली से राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा में प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कई देशों ने ब्रह्मोस में दिखाई दिलचस्पी

रूस की मदद से 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विकसित ब्रह्मोस मिसाइल को खरीदने के लिए कई अन्य देशों ने भी रुचि दिखाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, वियतनाम भी 700 मिलियन डॉलर की संभावित डील को अंतिम रूप देने के काफी करीब है। इसके अलावा थाईलैंड, सऊदी अरब, यूएई, ओमान, मिस्र और कुछ लैटिन अमेरिकी देश भी भारत के साथ ब्रह्मोस सौदे को लेकर बातचीत के चरणों में हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखाई थी क्षमता

भारत में बनी ब्रह्मोस मिसाइलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम तक पहुंचाया था। पहलगाम हमले के बाद ब्रह्मोस मिसाइल ने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने का काम किया। उस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में ब्रह्मोस मिसाइल, आकाश मिसाइल और एमआरएसएएम (बराक-8) का इस्तेमाल किया है।

800 किमी की मारक क्षमता

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। यह 3,700 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से लक्ष्य को टारगेट कर सकती है। इसकी रेंज तकरीबन 800 किलोमीटर तक है। यह अपने साथ 200 से 300 किलोग्राम तक वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। इसे जमीन, समुद्र और एयर से लॉन्च किया जा सकता है। यह दुश्मन के रडार से बचने के लिए बेहद कम ऊंचाई पर उड़ने में सक्षम है।

वायुसेना की ताकत का किया प्रदर्शन

एयर चीफ मार्शल ने मिग-29 लड़ाकू विमान से भरी उड़ान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत की वायु सेना का सीमावर्ती क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन करने के लिए भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने गुरुवार को मिग-29 यूपीजी मल्टी-रोल लड़ाकू विमान को अकेले उड़ाया। एपी सिंह ने एक प्रमुख सीमावर्ती बेस से उड़ान भरी। विमान के लैंड करने का वीडियो भी सामने आया है। एयर चीफ ने बेस पर भारतीय वायु सेना के पूर्व सैनिकों से भी बातचीत की। उन्होंने भारतीय वायु सेना की ऑपरेशनल तैयारी, लड़ाकू क्षमताओं और फ़ॉरवर्ड बेस पर मिशन की तैयारी पर जोर दिया। मिकोयान मिग-29 सोवियत यूनियन का बनाया हुआ एक दो-इंजन लड़ाकू विमान है। भारतीय वायु सेना चार दशकों से इस्तमाल हो रहे अपने मिग-29 फ़्लीट को अपग्रेड करने का फ़ैसला किया था। सोवियत में बना यह विमान 1970 के दशक में बनाया गया था और 1980 के दशक में वायु सेना में शामिल किया गया था।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह

हर तरह से गोला बारूद दागने में सक्षम

मिग-29 के कई वेरिएंट हैं, जिनमें से कुछ का इस्तेमाल भारतीय नौसेना भी करती है। मिकोयान मिग-29 (अपग्रेड) चौथी जेनरेशन का सर्वश्रेष्ठता लड़ाकू विमान है। इस विमान को नई एवियोनिक्स, रडार और हवा ही हवा में रिफ्यूलिंग क्षमता के साथ अपग्रेड किया गया है। यह विमान जानलेवा है और हवा ही हवा, हवा से जमीन और सटीक गोला-बारूद दागने में सक्षम है। मिग 11,000 मीटर (36,000 फ़ीट) पर 2465 किलोमीटर प्रति घंटे (या मैक 2.35) की अधिकतम गति तक पहुंच सकता है। यह 330 मीटर प्रति सेकंड की क्लाइंब रेट के साथ 17,000 मीटर तक चढ़ सकता है।

भारतीय शास्त्रों का कालानुकूल प्रयोग आवश्यक : आचार्य नीलाभ तिवारी

नाशिक। भारतीय प्राचीन शास्त्रों का केवल संरक्षण ही नहीं, बल्कि उनका समयानुकूल प्रयोग भी आवश्यक है। वर्तमान युग की आवश्यकताओं के अनुरूप शास्त्रीय ज्ञान को व्यवहार में लाना ही उसकी वास्तविक सार्थकता है।

पिपरी वन रेंज में सख्ती से वन माफियाओं पर लगाम, रेंजर राघवेंद्र कुमार ने 3 वर्षों में वन अपराधों से जुमार्ने के रूप में 19.30 लाख रुपये का कराया राजस्व जमा

रेणुकूट। रेणुकूट वन प्रभाग क्षेत्र के पिपरी वन रेंज में तैनात रेंजर राघवेंद्र कुमार ने बीते लगभग तीन वर्षों के दौरान अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके व्यक्तिगत प्रयासों से अवैध कटान, अवैध अतिक्रमण, अवैध कोयला परिवहन, अवैध रूप से गिट्टी-बालू का भंडारण, वन क्षेत्र में राख गिराने सहित कई मामलों में कार्रवाई कर अब तक कुल 19,30,500 रुपये का राजस्व जमा कराया गया है, जो पूरे सोनभद्र जिले की वन रेंजों में वन अपराधों से वसूले गए जुमार्ने में सर्वाधिक बताया जा रहा है। रेंजर राघवेंद्र कुमार द्वारा वन माफियाओं के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाता रहा है। इसी क्रम में उन्होंने खैर की लकड़ी से लदे दो ट्रकों को भी जब्त किया, एवं चार अंतराज्यीय खैर तस्करों को जेल भेजा ,जिसके बाद से क्षेत्र के वन माफियाओं में हड़कंप की स्थिति है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202602020700183/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः राजस्व
सनः-2025-2026
अंबिकापुर (प ह न. 00015),

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- दिवेश सिंह, अनावेदक पक्षकार -भगवान सिंह, पि. मोहन सिंह नरेन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह, पि. महावीर सिंह, निलिमा सिंह बेवा, कृति सिंह बेवा, दिवेश सिंह, दिव्या सिंह, दीपिका सिंह,

ईश्तहार

दिवेश सिंह आ०स्वः सुरेश सिंह माता स्व० कृति सिंह व अन्य निवासी ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2392/1, 2393/1 रकबा 0.004, 0.101 है० भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक भूमिस्वामी कृति सिंह का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 18/03/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/02/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक कृष्ण कुमार अग्रवाल पिता छबिलालदास अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी शिवनन्दनपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा निवेदन किया गया है, कि उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर नंबर 165/28, रकबा 0.012 हे0 भूमि को आवेदक द्वारा जगजीत सिंह पिता टी०एस०बग्गा निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर से क्रय हक के माध्यम से प्राप्त हुआ है। तथा जो भूमि वर्ष 1981-82 में बचन बग्गा पत्नी जगजीत सिंह के नाम से व्यपवर्तित हो चुकी है, उक्त भूमि का पुर्ननिर्धारण के लिए आवेदन पत्र, व्यपवर्तन प्रमाण पत्र, संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि ..13/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र० क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक प्रहलाद राय पिता कुन्दनलाल अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी शिवनन्दनपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा निवेदन किया गया है, कि उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर नंबर 165/31, रकबा 0.014 हे० भूमि को आवेदक द्वारा जगजीत सिंह पिता टी०एस०बग्गा निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर से क्रय हक के माध्यम से प्राप्त हुआ है। तथा जो भूमि वर्ष 1981-82 में बचन बग्गा पत्नी जगजीत सिंह के नाम से व्यपवर्तित हो चुकी है, उक्त भूमि का पुर्ननिर्धारण के लिए आवेदन पत्र, व्यपवर्तन प्रमाण पत्र, संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 13/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक दीपचंद सिंघल आ० स्व० किशनचंद सिंघल, जाति अग्रवाल, निवासी संगम चौक अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला- ब्रम्ह रोड़, नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-03 स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 859/2, 860/2 रकबा 0.05, 0.031/2 एकड़ भूमि को अपने पोता अनावेदक- नवीन कुमार सिंघल आ० दीपचंद सिंघल, जाति अग्रवाल, निवासी संगम चौक अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर के पक्ष में दान करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अध्रया आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 18/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा 'के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 02/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र० क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लल्लू प्रसाद गुप्ता पिता भिखारी साव जाति तेली निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 620/13 रकबा 0.008 हे० भूमि को कृषि मिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 18/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा).
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०./अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लल्लू प्रसाद गुप्ता पिता भिखारी साव जाति तेली निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 620/3 रकबा 0.006 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि .. 18/03/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा).
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव जिला सूरजपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र....ब-121/2025-26

आम जनता ग्राम चन्दरपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक मधु राम पिता आगर साय जाति उरांव निवासी ग्राम चन्दरपुर तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ.ग. द्वारा अपने पुत्री मीनारोस का जन्म दिनांक 02.08.1991 को ग्राम चन्दरपुर मे जन्म होना बताकर जन्म प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत मय आवेदन, शपथ पत्र, वार्ड का पंचनामा, आधार कार्ड की छाया प्रति सहित स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म/मृत्यु) का रजिस्ट्रीकरण (मध्यप्रदेश) निगम 1969 के नियम 10 (13) के अन्तर्गत निर्देश देने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था कोई आपत्ति हो तो दिनांक 27.03.2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि बाद प्राप्त आपत्ति/ दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 12.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदर एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव
जिला- सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला-जशपुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः202603031100011

विषयः-अ-2
मामले की श्रेणीः-राजस्व
सत्तः-2025-2026
करमीटिकरा प.ह.न. 00012 [356/6 (0.0700 हे०)

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार पदमीनी पैंकरा पति जगदत पैंकरा,
अनावेदक पक्षकार छ.ग.शासन,

ईश्तहार

एतय द्वारा समस्त आम जनता ग्राम करमीटिकरा प.ह.न. 05, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती पदमीनी पैकरा पति जगदत पैंकरा जाति कवंर, निवासी ग्राम तमता, तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम करमीटिकरा प.ह. नं. 05 स्थित आवेदित भूमि ख.नं. 356/6 रकबा 0.0700 हे0 (709.10 वर्गमीटर) का आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 की छायाप्रति सहित छ.ग. भू. रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 25/03/2026 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय/स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/03/2026 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
, पत्थलगांव जिला -जशपुर

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चो, कुछ जीव-जंतु अपने रहने के लिए ऐसे आवास बनाते हैं, जिन्हें देखकर तुम दंग रह जाओगे! तुम यही सोचोगे कि इन्होंने इतनी अमेजिंग होम मेकिंग इंजीनियरिंग आखिर सीखी कहां से? जानो, ऐसे ही कुछ जंतुओं के अनोखे घरों के बारे में।

इंजीनियरिंग का कमाल हैं इन जंतुओं के अनोखे घर

रूफस हॉर्नेरो मिट्टी के ओवन जैसा घोंसला

दक्षिण अमेरिका में पाया जाने वाला पक्षी रूफस हॉर्नेरो, अपने मिट्टी से बने घर के निर्माण के लिए प्रसिद्ध है। बच्चो, इस पक्षी की कलाकारी देखकर तुम दंग रह जाओगे। रूफस कीचड़, गोबर और सूखी घास को मिलाकर एक गोल घर बनाता है। इसका आकार पुराने जमाने के मिट्टी के ओवन जैसा दिखता है, इसलिए इसे 'हॉर्नेरो' कहा जाता है। स्पेनिश में 'हॉर्नो' का मतलब ओवन होता है। जब यह मिट्टी का घोंसला धूप में सूखकर सख्त हो जाता है, तो यह कंक्रीट जैसा मजबूत हो जाता है। भारी बारिश और तेज हवाएं भी इसे नहीं तोड़ पातीं। यह घोंसला शिकारियों से सुरक्षा के लिए एक किले की तरह काम करता है। इसका द्वार भूल-भुलैया जैसा होता है। इसके घोंसले का दरवाजा सीधा अंदर नहीं खुलता। इसके अंदर एक घुमावदार दीवार होती है, जो अंग्रेजी अक्षर 'पी' आकार का रास्ता बनाती है। यह दीवार ठंडी हवा को सीधे अंदर जाने से रोकती है। साथ ही सांपों जैसे शिकारियों के लिए बच्चों तक पहुंचने से सुरक्षित रखती है। रूफस हॉर्नेरो, अकसर बिजली के खंभों, ऊंचे पेड़ों या इमारतों के कोनों पर अपना घर बनाते हैं। *

बोवर बर्ड इंटीरियर डिजाइनिंग की मिसाल

ऑस्ट्रेलिया और न्यू गिनी में पाए जाने वाले बोवर बर्ड का अपना घर बनाने का तरीका बड़ा ही अनोखा होता है। बोवर बर्ड अपना बोवर यानी घर बनाने के साथ-साथ उसमें इंटीरियर डिजाइन भी करता है। उसे सजाता है, संवारता है। दिलचस्प बात यह है कि यह बोवर इनका असली घोंसला या आवास नहीं होता है। मादा पक्षी अंडे देने के लिए अलग घोंसला बनाती है। नर बोवर बर्ड, यह सुंदर महलनुमा घर केवल मादा को प्रभावित करने के लिए बनाता है। नर पक्षी टहनियों को जमीन में गाड़कर दो समानांतर दीवारें बनाता है, जो एक गलियारे जैसी दिखती हैं। बोवरबर्ड की कुछ प्रजातियां तो टहनियों से ऊंचे 'मेहराब' भी बनाती हैं। बोवर बर्ड अपनी सजावट के लिए बहुत चूजी होते हैं। साटन बोवर बर्ड को नीला रंग इतना पसंद है कि वह अपने घर के सामने नीले फूल, नीले पंख और यहां तक कि इंसानों द्वारा फेंकी गई नीली प्लास्टिक की बोतल के ढक्कन और पेन जैसी चीजें भी इकट्ठा करते हैं। कुछ बोवर बर्ड अपनी चोंच से फलों के रस या लकड़ी के कोयले को चबाकर 'पेंट' तैयार करते हैं और अपने घर की दीवारों को रंगते हैं। ये पक्षी अपने आंगन में पत्थरों और वस्तुओं को इस तरह क्रम में सजाते हैं (बड़ी चीजें पीछे, छोटी आगे) कि जब मादा बीच में खड़ी होती है, तो उसे नर पक्षी और उसका घर ज्यादा बड़ा और भव्य दिखाई देता है। इस तकनीक को 'फोर्स्ड पर्सपेक्टिव' कहा जाता है। *

डाइविंग बेल स्पाइडर पानी के तल पर हवेली

यह दुनिया की एकमात्र ऐसी मकड़ी है, जो अपना पूरा जीवन पानी के नीचे बिताती है। यूरोप और एशिया के देशों में नदी-तालाबों के तल पर रहने वाली इस मकड़ी के द्वारा बनाई गई 'पानी के नीचे की हवेली' की तकनीक किसी चमत्कार से कम नहीं लगती है। यह मकड़ी पानी के नीचे पौधों के बीच रेशम का एक जाल बुनती है। फिर वह सतह पर जाकर अपने शरीर के पिछले हिस्से और पैरों पर लगे घने बालों की मदद से हवा का एक बुलबुला फंसाकर नीचे लाती है। इस हवा को वह अपने जाल के नीचे छोड़ देती है, जिससे वह एक बेल (घंटी) की तरह फूल जाता है। यह बुलबुला एक 'फिजिकल गिल' की तरह काम करता है। यह पानी से ऑक्सीजन सोखता है और कार्बन डाई-ऑक्साइड को बाहर निकालता है। इस वजह से मकड़ी को बार-बार हवा लेने के लिए सतह पर नहीं जाना पड़ता। इसी हवा भरे बुलबुले के अंदर यह मकड़ी सोती है, खाना खाती है और अंडे देती है। उसका यह घर तैरकर ऊपर न चला जाए, इसके लिए वह इसे रेशमी धागों से जलीय पौधों से मजबूती से बांध देती है। शिकार करने के लिए यह मकड़ी बस अपने पैरों को बुलबुले से बाहर निकालती है और पास से गुजरने वाले कीड़ों को पकड़ लेती है। *

कोरल पॉलिप्स विशाल-मजबूत कॉलोनियां

कोरल पॉलिप्स, समुद्र के वे अदृश्य कलाकार होते हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी और सुंदर जीवित प्रवाल भित्तियां (कोरल रीफ) बनाते हैं। यह किसी चमत्कार से कम नहीं है कि चावल के दाने जितने छोटे जीव अंतरिक्ष से दिखने वाले ऊंचे 'पहाड़' खड़े कर देते हैं। प्रत्येक कोरल पॉलिप अपने चारों ओर कैल्शियम कार्बोनेट (चूना पत्थर) का एक कठोर कवच बनाता है। जब ये पॉलिप मर जाते हैं, तो उनके कठोर कंकाल वहीं रह जाते हैं, और नए पॉलिप उनके ऊपर अपना घर बनाना शुरू कर देते हैं। हजारों सालों की इस प्रक्रिया से विशाल कोरल रीफ का निर्माण होता है। *

प्रेयरी डॉग्स जमीन के भीतर अंडरग्राउंड सिटी

बच्चो, नाम से कंफ्यूज मत होना! प्रेयरी डॉग्स असल में डॉगी नहीं, बल्कि गिलहरी परिवार के सदस्य हैं, जो जमीन के नीचे अद्भुत अंडरग्राउंड शहर बसाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी इंजीनियरिंग इतनी सटीक होती है कि इंसानी शहरों का ड्रेनेज सिस्टम भी इसके सामने फेल हो जाए। इनके बनाए विशाल 'टाउन' केवल एक बिल नहीं, बल्कि हजारों मील में फैले भूमिगत शहर जैसे होते हैं। टेक्सास (अमेरिका) में एक बार 25,000 वर्ग मील में फैला इनका एक टाउन पाया गया था, जिसमें लगभग 40 करोड़ प्रेयरी डॉग्स रहते थे। ये शहर पीढ़ियों तक चलते हैं। इनके घर में अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग कमरे होते हैं, जैसे- बच्चों के लिए 'नर्सरी', सोने के लिए 'बेडरूम', खाना रखने के लिए 'स्टोर रूम' और यहां तक कि कचरे के लिए अलग जगह होती है। प्रवेश द्वार के पास एक 'लिस्निंग पोस्ट' भी होता है, जहां से वे शिकारियों पर नजर रखते हैं। प्रेयरी डॉग्स अपने बिल के मुहानों को अलग-अलग ऊंचाई पर बनाते हैं। इससे दबाव में अंतर पैदा होता है, जिससे ताजी हवा अपने आप सुरंगों के अंदर घूमती रहती है। यह एक बेहतरीन वेंटिलेशन इंजीनियरिंग का उदाहरण है। ये बिल के प्रवेश द्वार पर मिट्टी के ऊंचे टीले बनाते हैं। ये टीले न केवल इन्हें ऊंचाई से शिकारियों को देखने में मदद करते हैं, बल्कि बारिश के पानी को सुरंग के अंदर जाने से भी रोकते हैं। *

कविता / शादाब आलम

क्या कहने चावल के

क्या कहने चावल के भाई
कम है, जितनी करो बड़ाई।
इसे दूध के साथ मिलाकर
मजा बहुत आता है खाकर।
अगर राजमा चावल पाऊं
तीन प्लेट भरकर मैं खाऊं।
बने पुलाव जब घर में अपने
कोना-कोना लगे महकने।
कढ़ी और चावल की जोड़ी
नहीं किसी ने अब तक तोड़ी।
घूम-घूम कर बेचे भोले
बड़े गजब के चावल छोले।
जब नानी के घर जाता हूं
रोज दही चावल खाता हूं।
आज बनी है घर में तहरी
सुनकर खुश हो गई सुनहरी।

एआई इमेज

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

मजेदार कहानियां

बच्चो, हाल में छपकर आई 'होलू का दिमाग चलता है' सात मजेदार कहानियों की किताब है। पहली कहानी 'होलू का दिमाग चलता है' में तुम जिज्ञासु-नटखट होलू के एक से बढ़कर एक काल्पनिक और गुदगुदाते प्रश्नों को पढ़कर हंसे बिना नहीं रहोगे। 'हवा ने चांटा मारा' अर्श से हवा की काल्पनिक बातचीत पर आधारित कहानी है। बोलने में अटकने वाली मुन्नी क्यों उदास हो जाती है, कैसे फिर से खिलखिलाने लगती है? इसे तुम 'भाड़ में जाए' कहानी में पढ़ सकते हो। 'मैं लौट आया' सपने में पक्षी बनकर उड़ते हुए पड़ोसी देश की यात्रा करने वाले बच्चे की प्यारी सी कहानी है। यह कहानी अलग-अलग देशों के बीच होने वाली शत्रुता पर भोले-भाले सवाल पूछती है। किताब की अन्य कहानियां भी बहुत रोचक और सीख देने वाली हैं। *

किताब: होलू का दिमाग चलता है, **लेखक**: दिविक रमेश
मूल्य: 175 रुपए, **प्रकाशक**: अनबाउंड स्क्रिप्ट, दिल्ली

अपनी सहेली रूठ जाए तो दिल में टीस होगी ही। अंकिता अपनी सहेली अबीहा से रूठ गई। लेकिन कुछ देर बाद अबीहा ने जो किया, अंकिता की सारी नाराजगी पल भर में दूर हो गई। एक प्यारी-मीठी कहानी।

रूठ गई सहेली

छोटी कहानी
सिराज अहमद

आज अंकिता अपनी सबसे प्यारी दोस्त अबीहा से रूठ गई थी। वजह बहुत छोटी थी, पर उसका असर बड़ा हो गया। सुबह स्कूल में अंकिता थोड़ी देर से पहुंची, तब तक अबीहा ने सोचा कि शायद वह आज नहीं आएगी, छुट्टी पर है। इसलिए उसने अपनी दूसरी क्लासमेट को अपने बगल में बैठा लिया।

थोड़ी देर बाद अंकिता आ गई। उसने अबीहा के बगल में दूसरी लड़की को बैठे देखा तो उसका चेहरा उतर गया। अंकिता को लगा कि अबीहा ने उसकी जगह किसी और को दे दी। उसने कुछ कहा नहीं, लेकिन मन ही मन अबीहा से नाराज हो गई। लंच टाइम हुआ तो दोनों, जो हमेशा साथ बैठकर खाना खाती थीं, आज अलग-अलग बैठी थीं। अबीहा को यह बहुत बुरा लग रहा था। उसे अपनी दोस्त की चुप्पी काटने लगी। तभी उसे कुछ याद आया। अबीहा ने टिफिन खोला, अंदर मीठे परांठे थे, वही जो अंकिता को बहुत पसंद थे। जैसे ही परांठों की खुशबू फैली, अंकिता की नाक फड़क उठी। वह खुद को रोक न सकी। झटपट उठी, अबीहा की टिफिन की ओर बढ़ी और हंसते हुए बोली, 'यह मेरे हिस्से का परांठा है!'

अबीहा ने हंसकर कहा, 'ये लो, पहले तुम खा लो।' अंकिता ने एक टुकड़ा खाया और हंसते हुए क्लास में दौड़ पड़ी। उसके पीछे-पीछे अबीहा भी दौड़ने लगी। क्लास की बाकी बच्चियां हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं।

कुछ देर बाद दोनों थककर साथ बैठ गईं। टिफिन के परांठे बांटकर खाने लगीं। गुस्सा कहीं उड़ गया था। मीठे परांठों की खुशबू ने एक बार फिर उनकी दोस्ती में मिठास घोल दी थी। *

एआई इमेज

कहानी
क्षमा शर्मा

कैरम की रानी गोटी (क्वीन) और अन्य गोटियों में ऐसा घमंड जागा कि दोनों अपना-अपना महत्व जताते हुए बोलीं कि वे ना हों तो कैरम खेलना मुमकिन नहीं। तभी एक समझदार गोटी ने ऐसा कुछ कहा कि रानी गोटी और अन्य सभी गोटियां अपनी बहस भूलकर आपस में घुल-मिल कर हंस-हंस कर नाचने लगीं। आखिर उस समझदार गोटी ने ऐसा क्या कहा?

नाचने लगीं गोटियां

आदित्य और अंशु के पास एक कैरम बोर्ड था। अकसर शाम को बाहर खेलने जाने से पहले दोनों कैरम खेलते थे। बहुत बार वे बाहर न जाकर सिर्फ कैरम ही खेलते रहते थे। एक बार कैरम की गोटियों में आपस में बहस हो रही थी कि अगर वे न हों तो कोई कैरम खेल ही नहीं सकेगा। गुलाबी रंग की रानी गोटी यानी क्वीन इन सब की बातें सुन इतरा कर बोली, 'बड़ी चली हो महारानी बनने। जानती नहीं कि तुम सबकी रानी तो मैं ही हूं। मैं न होऊं तो तुम सब कुछ नहीं कर सकोगी।'

एक गोटी जो लड़ाकू थी, वह झिड़ककर बोली, 'तुम तो बस दिखाने भर की रानी हो। अपने बल पर तो अकेली बोर्ड से बाहर भी नहीं निकल सकतीं। हमेशा अपने पीछे हम में से कोई एक चाहिए कवर करने के लिए।'

'अरे रहने दो! अपने आप ही पिछलग्गू बनी चली आती हो मेरे पीछे। ना भी आओ तो मेरा क्या बिगड़ेगा? रहूंगी तो मैं रानी ही।' रानी की अकड़ भरी बात सुनकर बाकी गोटियों को बहुत गुस्सा आया। सबने मन ही मन तय किया कि रानी को सबक सिखा कर रहेंगे। अब जैसे ही दो बच्चे कैरम खेलने बैठते, गोटियां फटाफट बाहर निकलने लगतीं। लेकिन जैसे ही रानी बाहर निकलती बाकी गोटियां जैसे बोर्ड पर जम जातीं। चाहे जितना स्ट्राइकर मारो, वे टस से मस न होतीं। इससे बच्चे बार-बार रानी गोटी को बोर्ड पर पटकते, जिससे उसे चोट भी लगती। वह दर्द से कराहती। बाकी गोटियां इस दशा पर मुस्कुरातीं, 'अरे! रानी है, कर लेगी न सब अपने आप।'

इन सब गोटियों में एक गोटी ऐसी भी थी, जिसे रानी को देख तकलीफ होती। एक दिन उसने अपनी सहेली गोटियों से कहा, 'हम सबने रानी को बहुत सजा दे ली। लेकिन अब इस लड़ाई को खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि यह भी तो हो सकता है कि हमसे खेलने वाले बच्चे हमारी हरकतों से तंग आकर दूसरी गोटियां ले आएं और हमें कूड़ेदान में फेंक दिया जाए। तब हम सबका क्या होगा, तुमने सोचा है? यहां तो हम सब आराम से रहते हैं। गर्मी, सर्दी, बरसात सबसे बचे रहते हैं। बाहर की दुनिया कैसी होगी, क्या पता? कूड़ेदान में से उठाकर किसी ने हमें आग में जला दिया तो..., तब हमारा क्या होगा? आखिर बनी तो हम लकड़ी से ही हैं।' उस गोटी की बातें सुन कर सारी गोटियां सोच में पड़ गईं। सबने देखा कि रानी गोटी के आंसू बह रहे थे। वह बोली, 'वैसे तो मैं रानी हूं, लेकिन मुझे यह बात क्यों समझ में नहीं आई कि गलती मेरी ही थी। घमंड में आकर मैंने अपनी सभी सहेलियों का अपमान किया। सबको मुसीबत में डाल दिया। सॉरी फ्रेंड्स।'

रानी ने यह कहा तो सारी गोटियां खुशी से उछलने लगीं। वे कूद-कूद कर बोर्ड के ऊपर नाचने लगीं। एक-दूसरे को जोक्स सुनाने लगीं और हंस-हंस कर लोट-पोट होने लगीं। उन्हें लगा कि इतनी हंसी तो जीवन में उन्होंने पहली बार सुनी है।

अगले दिन जब आदित्य और अंशु कैरम खेलने लगे तो गोटियों में होड़ लग गई। वे सबकी सब रानी से पहले ही बोर्ड से बाहर जाने की तैयारी करने लगीं। बच्चों को भी आज खेलना बहुत अच्छा लगा। एक गोटी बाहर निकलती तो वे जोर से तालियां बजाते। ऐसा लग रहा था, जैसे सारी गोटियां भी ताली बजा रही हैं। *

जीके क्विज-196

1. दिल्ली का नया लेफ्टिनेंट गवर्नर किसे नियुक्त किया गया है?
2. हाल ही में किस देश की क्रिकेट टीम को हराकर भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता?
3. चेस के 93 वें ग्रैंड मास्टर बनने वाले इंडियन चेस प्लेयर का नाम क्या है?
4. विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?
5. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश किस स्थान पर दिया था?
6. हमारे पड़ोसी देश भूटान की राजधानी का क्या नाम है?
7. सती प्रथा समाप्त करने में किस समाज सुधारक का महत्वपूर्ण योगदान था?
8. भारतीय संसद के उच्च सदन को किस नाम से जाना जाता है?
9. फ्लाइंग सिख के नाम से किस इंडियन एथलीट को जाना जाता है?
10. टाइटन किस ग्रह का उपग्रह है?

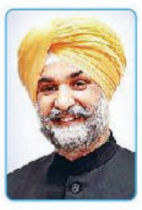

बच्चो, जीके क्विज-196 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-195 का उत्तर : 1.केरलम, 2.सचिन तेंदुलकर, 3.रॉब जेटन, 4. 20 मार्च, 5.नारंगी, 6.कार्बन डाई ऑक्साइड, 7.किडनी, 8.हीलियम, 9.आर्कटिक महासागर, 10.समुद्रगुप्त

जीके क्विज-195 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, कुणाल-रोहतक, आस्था-दिल्ली, अजय-सिरसा, प्रवीण-ईमेल से, रमेश-रायगढ़, तेजस-रायपुर, सुमन-महेंद्रगढ़, मुकेश-जींद, चंचल-दिल्ली, किशन-बिलासपुर, सचिन-रोहतक

रंग भरो-197

रंग भरो-197 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

काशवी, रायपुर

वेदिका, कोरबा

प्रगति, बिलासपुर

कुंजल, रायपुर

रिधान, अंबिकापुर

प्रभु, कोरबा

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आशना-जांजगीर, डॉली-दुर्ग, डिंपल-दुर्ग, पयोनिधि-अंबिकापुर, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, रोशनी-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सुरभि-करनाल, तेजस-बिलासपुर, सुमन-हिसार

रंग भरो 198

बच्चो, यहां एक छोटे-से एक्वेरियम में मछली को चारा डालती एक लड़की का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग व कालाबाजारी करने वालो पर प्रशासन की कार्रवाई

58 नग सिलेंडर, 2 रिफलिंग नोजल, 2 तौल कांटा किया गया जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग व कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश पर पिछले दो दिनों से जिले भर के विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं व्यवसायियों के गोदामो में राजस्व व खाद्य विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से छापेमार कार्रवाई की जा रही है। बताया गया है कि प्रशासन की इस कार्रवाई में 54 नग में घरेलू एवं व्यवसायिक गैस टँकी जप्त की गई है। बीते गुरुवार को जहां जिले में 8 प्रकरण में 24 नग तो शुक्रवार को 9 प्रकरण में 34 नग सिलेंडर जप्त किया गया है। जिला मुख्यालय में तहसीलदार सूर्यकांत साय व खाद्य निरीक्षक नितीश कुमार के साथ राजस्व व खाद्य अमले ने गोदु होटल, पंडित होटल, होटल मद्रास तथा आनंद रिहंदम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोलू होटल से 06 नग उपयोग किए गए घरेलू गैस सिलेंडर तथा आनंद रिहंदम के किचन कक्ष से

01 नग उपयोग किया हुआ घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किया गया, जिन्हें टीम द्वारा जब्त कर लिया गया। इसी प्रकार प्रतापपुर में टीम द्वारा होटलों से 14 नग घरेलू स्लेडर के व्यवसायिक उपयोग पर जप्त किया गया है। वहीं भैयाथान में राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने ओडगी रोड स्थित यादव होटल में जांच के दौरान 03 नग घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया है। जब्त किए गए सिलेंडरों को इंडेन गैस एजेंसी भैयाथान को सुपुर्द किया गया। इधर शुक्रवार को भी कार्रवाई जारी रही। यहां जिला मुख्यालय में तहसीलदार सूर्यकांत साय व खाद्य निरीक्षक नितीश कुमार के साथ राजस्व व खाद्य अमले ने नया बाजार पारा स्थित एक व्यवसायी के गोदाम में छापेमारी कर 13 नग घरेलू सिलेंडर, 7 नग व्यवसायिक सिलेण्डर, 1 चूल्हा, दो रिफलिंग नोजल, पाइप सहित तौल कांटा जप्त किया है। उक्त छापेमार कार्रवाई जिले के रामानुजनगर, प्रेमनगर, प्रतापपुर, भैयाथान सहित अन्य क्षेत्रों के प्रतिष्ठानों पर की गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई से गैस टँकी का संग्रहण एवं व्यवसायिक उपयोग करने वालो में हड़कंप का माहौल है।

गुणवत्ता के साथ तय समय पर पूर्ण करें कार्य : जयवर्धन

मनरेगा एवं विकास कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजेन्द्र सिंह पाटले, सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा के.एम. पाठक, जनपद सीईओ, कार्यक्रम अधिकारी तथा टेक्निकल टीम के साथ जनपद पंचायत सूरजपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों में संचालित विकास एवं मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान टीम ने ग्राम पंचायत करमपुर एवं गोविंदपुर में मनरेगा अंतर्गत संचालित कार्यों का अवलोकन किया। यहां मिट्टी बांध, अमृत सरोवर, गली प्लग, कंटूर ट्रेंच तथा नाला सफाई के कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के समन्वय से कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने पर भी जोर दिया।कलेक्टर ने ग्राम पंचायत करमपुर में निर्मित अमृत सरोवर तथा मिट्टी बांध के जल का उपयोग कर किसानों द्वारा लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में की गई गेहूं की खेती का भी अवलोकन किया और जल संरचनाओं के बेहतर उपयोग की सराहना की।इसके अलावा हर्राटीकरा ग्राम पंचायत में संचालित खेलो इंडिया सेंटर का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने खेल प्रशिक्षक को खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर उन्हें राज्य स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। वहीं कोरिया ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने इसे महिला एवं बाल विकास विभाग को हस्तांतरित कर शीघ्र आंगनबाड़ी संचालन शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम हर्राटीकरा में मनरेगा के विगत वर्षों में किए गए कार्यों का भी अवलोकन किया।

यहां मनरेगा के प्रचार-प्रसार के लिए लगाए गए क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन कर योजना से संबंधित जानकारी की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। साथ ही 'विकसित भारत गारंटी फॉर आजीविका मिशन योजना'' के प्रारंभ होने के पूर्व तैयारी की जानकारी लेते हुए इसके अधिनियम के प्रावधानों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। ग्रामीणों को अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त 125 दिनों की रोजगार गारंटी, कार्य की मांग करने की प्रक्रिया, जॉब कार्ड की उपयोगिता, समय पर मजदूरी भुगतान, तथा पारदर्शिता एवं सामाजिक अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों से अवगत कराया गया। उल्लेखनीय है कि इस क्यूआर कोड को स्कैन कर कोई भी नागरिक मनरेगा के कार्यों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकता है। ग्रामीण अपने मोबाइल से इन क्यूआर कोड को स्कैन कर मनरेगा अंतर्गत हुए कार्यों की स्वीकृति, पूर्णता, मजदूरी भुगतान, कार्यों पर हुए कुल व्यय जैसे समस्त जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते है। यह व्यवस्था मनरेगा कार्यों को नागरिकों के लिए पूरी तरह पारदर्शी और सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

जिले के युवाओं को सेना में करियर हेतु किया जा रहा प्रेरित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। देश सेवा का सपना संजोए जिले के युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है और जिले के कोने-कोने तक इस अभियान की आँच पहुँचाने का संकल्प लिया है। कलेक्टर एस. जयवर्धन के सुदृढ़ निर्देशन में जिले के समस्त महाविद्यालयों, पॉलीटेक्निक एवं आईटीआई संस्थानों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो युवाओं को अग्निवीर बनने की राह पर योजनाबद्ध ढंग से अग्रसर कर रहे हैं। इस अभियान को धार दे रहे हैं भूतपूर्व पैराकमांडो पुरुषोत्तम चंद्रा, जिनके अनुभव और ओजस्वी वक्तव्य युवाओं में सेना के प्रति

ललक जगाने का काम कर रहे हैं। वे जनपद पंचायतों, महाविद्यालयों, पॉलीटेक्निक एवं आईटीआई संस्थानों में जाकर छात्र-छात्राओं को सेना की सेवा, चयन प्रक्रिया और करियर की असीमित संभावनाओं से रूबरू करा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को शासकीय महाविद्यालय व आईटीआई प्रेमनगर, ओड़गी में विशेष कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। इन कार्यशालाओं में उमड़े उत्साही युवाओं ने भर्ती प्रक्रिया की बारीकियाँ समझीं और अपने मन में उठे हर सवाल का समाधान पाया। कार्यशाला में जानकारी दी गई कि अग्निवीर पुरुष, जनरल, तकनीकी, लिपिक, स्टोरकीपर एवं ट्रेड्समैन के साथ ही अग्निवीर महिला तथा स्थाई केडर के नर्सिंग असिस्टेंट वेट एवं सिपाही फार्मा पदों के लिए अधिसूचना जारी की जा चुकी है। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 1 अप्रैल तक खुली रहेगी। जबकि ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम 1 से 10 जून के मध्य आयोजित होने की संभावना है। भर्ती से जुड़ी सम्पूर्ण जानकारी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर सहजता से उपलब्ध है। जिला प्रशासन ने युवाओं का आह्वान किया है कि वे इस अवसर को हाथ से न जाने दें और राष्ट्र सेवा की इस गौरवशाली राह पर कदम बढ़ाएँ। किसी भी जानकारी अथवा मार्गदर्शन के लिए जनपद एवं रोजगार कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

प्रा.शा. उरांवपारा मदनेश्वरपुर में 5वीं के विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विकासखंड रामानुजनगर अंतर्गत प्राथमिक शाला उरांवपारा, मदनेश्वरपुर में कक्षा 5वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का

आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सादगीपूर्ण किन्तु भावनात्मक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र की जनपद सदस्य संध्या रजवाड़े उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास बहुत आवश्यक हैं। उन्होंने बच्चों को आगे की पढ़ाई मन लगाकर करने तथा अपने माता-पिता और शिक्षकों का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आज की शिक्षा ही आने वाले समय की मजबूत नींव होती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानपाठक ने विद्यार्थियों के सम्मान में एक भावपूर्ण विदाई गीत प्रस्तुत किया। गीत के माध्यम से उन्होंने बच्चों के साथ बिताए गए विद्यालय के मधुर क्षणों को याद किया। प्रधानपाठक के इस भावुक गीत से पूरे कार्यक्रम का माहौल गमगीन हो गया और कई विद्यार्थी तथा शिक्षक भावुक हो उठे।कार्यक्रम के दौरान कक्षा पाँचवीं के विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय परिवार की ओर से बच्चों को स्मृति-चिन्ह तथा शुभकामना संदेश भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण संजय कुमार साहू, रामकृपाल साहू, एनिमा बेक, शोभारानी किसपोट्टा, हीरालाल कश्यप, अजय कँवर अभिभावक तथा क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना महिलाओं के लिए बन रही संबल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम भाला की श्रीमती सुरजी कुमारी को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से मातृत्व काल में आर्थिक और मानसिक मजबूती मिली।

कृषि परिवार से जुड़ी श्रीमती सुरजी कुमारी गृहिणी होने के कारण परिवार की आमदनी पर निर्भर थीं। आर्थिक तंगी के कारण गर्भावस्था के दौरान अपने स्वास्थ्य और पोषण पर ध्यान देना मुश्किल था। इसी दौरान प्रधामंत्री मातृत्व काल में जब उनका पंजीयन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और मितानिन बहनों की मदद से मातृत्व वंदना योजना में हुआ तो उन्हें बड़ी राहत मिली।

श्रीमती सुरजी ने बताया कि योजना अंतर्गत प्राप्त पहली किश्त का उपयोग उन्होंने संतुलित आहार व चिकित्सीय जांच में किया जबकि दूसरी किश्त से प्रसव पूर्व की जरूरतें पूरी की। इससे उन्हें आर्थिक चिंता से राहत मिली और वे अपने तथा शिशु पर ध्यान दे पाई। सुरजी ने शासन की इस पहल के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को आभार व्यक्त किया है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। योजना अंतर्गत प्रथम संतान पर 5000 रुपये और द्वितीय संतान पर 6000 रुपये की आर्थिक सहायता राशि दी जाती है। जिससे गर्भवती महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य जांच और प्रसव पूर्व आवश्यकताओं को पूरा करने में मिलती है।

संगठन को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी जिले की महिला कार्यकर्ता : जया

अटल कुंज में हुई भाजपा महिला मोर्चा की प्रथम परिचयात्मक बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा महिला मोर्चा के मंडलों की कार्यकारिणी विस्तार पश्चात जिला एवं मंडल पदाधिकारियों की प्रथम परिचयात्मक बैठक भाजपा कार्यालय अटल कुंज में संपन्न हुई। बैठक में जिले के विभिन्न मंडलों से महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित हुईं। कार्यक्रम में प्रभारी के रूप में जया कर एवं सहयोगी के रूप में प्रवीण सिंह उपस्थित रहीं। अपने उद्बोधन में जया कर ने कहा कि महिला मोर्चा भारतीय जनता पार्टी की रीढ़ है और जिले की महिला कार्यकर्ता संगठन नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने सभी बहनों से अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर महिलाओं को पार्टी की नीति और रीति से अवगत कराने तथा अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। सहयोगी के रूप में उपस्थित प्रवीण सिंह ने कहा कि मंडल कार्यकारिणी के विस्तार के बाद इस प्रकार की बैठक से कार्यकर्ताओं में उत्साह का वातावरण दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने में महिला मोर्चा की अहम भूमिका होगी। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि महिला मोर्चा संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा और प्रदेश संगठन के निर्देशों का पालन करते हुए सभी मिलकर कार्य करेंगे।

जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणी पैकरा ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें महतारी वंदन योजना भी शामिल है। इन योजनाओं का प्रचार-प्रसार महिला मोर्चा की बहनों के माध्यम से गांव-गांव तक किया जाना चाहिए।

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नूतन विश्वास ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कहा कि समाज निर्माण में महिलाओं का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मंडलों में नियुक्त नई पदाधिकारी संगठन को मजबूत करते हुए आने वाले समय में जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम में प्रभारी एवं जिला अध्यक्ष द्वारा सभी नवनियुक्त मंडल पदाधिकारियों का तिलक लगाकर एवं गुलाब फूल देकर सम्मान किया गया। बैठक के पश्चात उपस्थित महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते हुए फूलों की होली भी खेली और एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री देवंती साहू एवं आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री नेहा तिवारी द्वारा किया गया। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखा राजलाल राजवाड़े, महिला मोर्चा की वरिष्ठ पदाधिकारी शशि किरण खेस, पूर्णा जायसवाल, नयन सिदार, गीता घोषाल ,रमा कौर ,विमला भगत, बीना गुप्ता, महराजिया सिंह, संध्या सिंह, श्यामा पांडे, पूनम देव, रुक्मणी सिंह, मोहिनी झा, पदमा जायसवाल, कविता तिवारी, देव मुनिया साहू, रोशनी सोनी ललित तिवारी, सरोज यादव सरोज साहू, मीना श्रीवास्तव, प्राणपति सिंह, कीर्ति दुबे, पूनम तिवारी, रंजना गुर्जर, पूजा गुप्ता, कविता सिंह, सुमन मंडल, दुर्गावती, मालती गुप्ता, नीरू गुप्ता, नीलम रजक, जय भारती, ललिता तिवारी, मीना सोनवानी, ज्योति देवांगन, रीता साहू, सोनम राजवाड़े, पायल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की कार्यकर्ता उपस्थित थी।

उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत नव साक्षरों का आकलन परीक्षा 22 मार्च को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे प्रदेश में 22 मार्च 2026 को राज्यव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आकलन परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिले में भी कलेक्टर एवं जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में परीक्षा आयोजित की जाएगी। कलेक्टर श्री कटारा ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिश-निर्देश दिए है।

जिला परियोजना अधिकारी श्री हीरालाल पटवा ने जानकरी दी है कि उक्त परीक्षा में 15 वर्ष से अधिक उम्र के असाक्षर जिनके द्वारा उल्लास साक्षरता केन्द्र में 200 घंटे का अध्यापन पूर्ण किया हो, ऐसे समस्त नवसाक्षर जो पढ़ना-लिखना अभियान/उल्लास कार्यक्रम तहत महापरीक्षा में सम्मिलित हुए है। किन्तु अपरिहार्य कारणों से राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हो सका, ऐसे नवसाक्षर जिन्हें लम्बी अंतराल के कारण पढ़ना-लिखना या दैनिक जीवन में उपयोगी आवश्यक जोड़-घटाना नहीं आता हो, उन्हें सम्मिलित कराया जाएगा। उन्होंने बताया है कि कार्यक्रम पूर्णत: स्वयंसेविता कर्त्तव्यबोध पर आधारित है। इस कार्यक्रम में शिक्षार्थी के रूप में 9वीं से 12वीं तक के विद्यालयी बच्चों को जोड़ा जाना है।

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

गौधाम योजना शुभारंभ समारोह

एवं

पशुपालक सम्मेलन

14 मार्च 2026

दोपहर 2:00 बजे

गौधाम लाखासार एवं
गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय
प्रेक्षागार, बिलासपुर (छ.ग.)

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

वर्चुअल मोड में
राज्य के समस्त जिलों में शुभारंभ

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

आर.ओ. नं.-47200/139

निराश्रित, घुमन्तू तथा जब्त किए गए गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन

₹05 लाख
प्रति वर्ष अधोसंरचना निर्माण/मरम्मत के लिए

₹47 हजार-2.85 लाख
प्रति वर्ष (1-5 एकड़) चारा विकास के लिए

₹13,126
प्रति माह गौ सेवकों को मानदेय

₹10,916
प्रति माह चरवाहों को मानदेय

अनुदान

पोषण आहार

प्रथम वर्ष ₹10 प्रतिदिन/पशु	द्वितीय वर्ष ₹20 प्रतिदिन/पशु
चतुर्थ वर्ष ₹35 प्रतिदिन/पशु	तृतीय वर्ष ₹30 प्रतिदिन/पशु

संरक्षण भी, संवर्धन भी
गौवंश के लिए समर्पित
साय सरकार

संचालन हेतु पात्र संस्थाएं –
छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग में पंजीकृत संचालित गौशाला की समिति, स्वयंसेवी संस्था, एन.जी.ओ. (गैर-सरकारी संगठन), ट्रस्ट तथा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी एवं सहकारी समिति

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा